#### BENGA'LI' INSTRUCT

No. II.

# ক্তানকিরণোদয়ঃ

ভাগাৎ

### বালকবৃন্দ বোধৰিধায়ক

विविध विशा विषयक विक्रिक्त वृक्तांछ।

#### CALCUTTA:

PRINTED FOR THE CALCUTTA CHRISTIAN SCHOOL-BOOK 1843.

## निर्घणे ।

A.	d71 ——	9	<b>国</b>
>	গ্ৰন্থখন		>
	বিদ্যার দোকান		9
9	ক্ষিত্যপ্তেজোমরুদ্বোম'	• •	¢
8	कूकृत ७ निशान	• •	•
	वक्रानरणात विवत्रव		2
	मृगनमान (नाकरमञ्ज वङ्गरमण अधिकात व		
	<b>ब्</b> खांड		પ્ર
7	মিখ্যা কথার বিষয়		
	কাল বিভাগ		
	ৰন্ধুতা		
	म्यों आहि भनन		ŁŁ
	नच्या		10
۶٤	विन्यो विवयक नामा हिट्डाशटम्य	• •	रक
	অমৃত		
>8	यिश्मो लाकरमत्र मन्द्रम्थ विवद्ग	••	र ३
	ननो ·· · ·		
	ইণ্রাজলোকদের বঞ্জেশে আগমন ও		
	অধিকার করণ বৃত্তান্ত		<b>DC</b>
>9	करानाथ		
74	মহমান। প্রথম ভাগ	••,	85
>>	মহস্মদ। দীতীর ভাগ	ر ماده	28

	79	भा निर्च के		•	পত্র
	₹•	धर्मविषयक बाबा हिछ छेशालम	••	••	81-
	43	महाजानी विक्षेत्रिया	• •		ġ\$
		পৃথিবীর বিভাগ			
	20	विवनाचं			88
	18	भीतान ७ काक	• •		æs
	२६	विमाच		• •	a a
	२७	मूकारवर्ग			4
	21	बक् वृश्चिमान क्कूरकत कथा	• •	• •	৬০
	٤b	बैका दिवसक नीष्ठि कथा			৬৩
	43	हिन्द्र इति देवदेश		• •	58
	50	(काभ्रामी वाराष्ट्रत			৬
		পর্বত			
	<b>ા</b>	থ্রীক্টাম্ভ ধর্মপুস্তক ধর্মপুস্তকের অস্তভাগ	• •	••	42
	೨೨	४र्ष्यभूष्ठक	•		94
	98	धर्मभूञ्चरकत्र व्यक्षणात			95
,	30	चानाम (नर्ग			Þe
	99	वाकृत	• •	• •	5-2
	91	देश्व इक्षांक्ष्ठी	••	• •	₽8
	9	(महें क्यां	• •	• •	<b>&gt;</b> 0
	99	वानक भागव	••	••	44
ŧ	8.	প্রহেলিকা	• •	• •	<b>پر</b>

# खानिक्तरगामशः।

#### ১ গুরু ধন।

ं अक शृहक् अञ्चलकारम जालून लाँह भूखरक नेगारा मिक्ट डाकिशः योगन, व्यात्रिय पूजा गुकन, बाधात प्रवेशका विशक्षित, बाह्यां कार्य बाहेन, क्राइन्तिरक **श्रञ्ज कथाः वनि, काराक कामारमञ्जूष मृश्य म्हित्यः, अर्थे** অরের উঠানেতে মাটির মধ্যে গুপ্ত ধর্ন আছে; ভোমরা ধ্রিরা সোণা ও রুপা ও নানা রত্ন ও অমৃতের ভাঁড় পা-ইবা। এই কথা বলিয়া পিতা প্রাণচ্যার্য করিল। পুরের: তাহাকে মাটি দিলে পর थे श्रेष्ठ धन পাইবার পরামর্থ क्रिय । (बार्ष विनन, बाह्म १, क्राय हां जिला सु वस् कृति। किन्न विठीए छाउँ दनिन, सामि साति अ কর্ম ক্রিছে পারিব না, কেননা এখন ধান কুর্নার नमन् अधन ना क्रेटिन क्षेत्रि इतेरत। समूत्र अस सन वनिन, आमामित व किन्छ। शास चारक, काहा (क हत्वितः भाषि भूगा बाकुकः आभि त्वाक हत्वित्व याहे। चार अक कर दिशव, माहि बुहिस्स कि प्रेटर, चार धन भावेत्वरे वा कि नांच व्यक्ति वावयकान श्रेष्ठ-निम छ। व वाहरक के क्षेत्र निक्र नाहेग्रहि, बाह त्वाप एवं, देव्यक् नवन स्थित क्षान अस अस्ति है

आर्थनाक, चामि (अना केविर्व हार्डे। शेर्व कनिये कुर (जार्थरक बन्तिम, आहेर कायुवा हुई सब स्काना ति मह्या वितिष्ठ चावड कृति। शहर डेर्डेड्ड चार्यन ६ केट्डिंड (सेन्) हराता ज्या नकन कर्य छाड़िया क्रिया क्रिया माहि सुनिहें লাগিল। অনেক লম করিবে পত্ন ভীহোর। রুপাতে ভরা अक क्लून शालिन; ठाहात शृद्ध (प्राह्दत छत्री कांत्र अक क्रमम अवन धारमक त्रच्न व्यवहार क्रमम । अभवन सम्बद्धित। कारावा वर्ष मस्य रहेगा भरत कतिक जाहे विक्रि काक्षरक निर्मा, चात्र (कम स्रोप्त कहिं, **चात्रक का**क्ष इहेल, आहेम, अहे मकल धन लहेशा बामता बहुना बाद विभिन्न भूर्य क्यूनी वाशन करि । किन्न कार्य कार्न केनिन যে অমৃত ভারের কথা শিতা বলিয়াছেন, লে কৈছি: **खाद्या ना भागेरल खानि काष्ट्र इंडेंग ना। भरतः खादात** . जाहे कात्र क्षप्त कतिहरू ना हाहिया हिला (शन। ठा-ভাতে ভোঠ পুদ্র একেল। অবিরক্তটিছ হইরা থু-निरस ६ (नरत सम्मा) (य-समृत कारा नात्रेया बेट्स (तन। क्षता हाति छाते क्षत्र मुर्थ किए पूर्ध केशियानन করিয়া মরিয়া গেল, কিন্তু জ্যেষ্ঠ অমূষ্ঠ ভোজন করিয়া অমের হ্টল ৷

(र शिश बान कराव अहे न्छे एउ । क्य कि डाहा एत। स्थ प्रव हरेहाएक बिका। सम ना करिएन छाइ।एक एक्ट शास का। शहिरक शाहिरण रेथ विका इड़, क्यन मान कृष्टि वा ! अब्बेट शहिरक निविद्यांक, सान, वह एक राजा कृष्टि का ! अब्बेट शहिरक निविद्यांक सा कार्य विकार लेकिन के कार्य गांव असन ति कार्य नहेंना ते कार्य कार्

#### २ विद्यात स्थावना :

दर जित वालाहरा (एएमता नकरण मृतित (लाकास प्रथिमाच, चात वात १ मृतित कार्ष्ट विद्या शत्रमा निमा माना नुना किनेताछ । मृतित (क्षंकार्य चातक पुना शांका वान, धान, घाडेल, उप्तेण, कलाहे, विति, स्तक, राह्य, चाला (एउलाठ, मृशांति हेलामि। (म लक्ष्ण वालाही (वाकामी मृल्डिए० १ नालाहेला लाइक वहा रिकेट चालेर जाराज कार्य (ठीन कार्यो (उट्टा, किन्त होता कार्य माहेरल किन्नेहें (यह ना। हेलायूक मुख्य लेका कार्य भावेरल किन्नेहें (यह ना। हेलायूक मुख्य लेका कार्या कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य वालाह कार्य कार्य (वालाव कार्य कार्य कार्य कार्य वालाह कार्य कार्य (वालाव कार्य कार्य कार्य कार्य वालाह कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य वालाह कार्य ক্ষিত্র চাহের বা। তাঁহাকে মন বিলৈ তিনি আপান বুর ক্ষিত্রণ করেন। অধিক মন দিলে অবাঁথ মনো-ক্ষানা করিলে অধিক দেন, এবং অসু মন দিলে অস্ত্র প্রাওয়া যায়, অভণুর হে বালকগণ, বিন্যাতে মন দেও, আর প্রম করিয়া পাট অভ্যাস কর, ভাহাতে ভোমা-দের মধল হইকে। আর বিদ্যা কি পুর্য ঘেচেন, ভাহা বলি খন, তাঁহার কাছে নানা প্রকার জান পাওফা যায়। প্রথমতঃ। ধর্মজান অর্থাথ ক্ষর কেমন, তাঁহার ক্যা ক্ষেন, জগতের সৃষ্টি, মনুষ্যদের পাপ, আনকর্তা, স্থা, নরক এই সকলের শিক্ষ।

বিতীয়তঃ। নীতিবিদ্যা অর্থাৎ কি করিলে: ইশ্বর তুটি; জন, ইহার জান।

তৃতীরতঃ। জ্যোতির্বিদ্যা অর্থাৎ দূর্য্য ও চক্ত্র ও গ্রহ ও ভারাগণ বিষয়ক শিক্ষা।

া চতুর্বভঃ। ভূগোল বিদ্যা অর্থাৎ পৃথিতীয় দেশ সমূদ্ পর্যাত নদী প্রভৃতির বৃত্তান্ত।

পঞ্মতঃ। পুরাণ ইতিহাস অর্থাৎ পুরুকালীন রাজ: পঞ্মতঃ। পুরাণ ইতিহাস অর্থাৎ পুরুকালীন রাজ:

ষঠতঃ। পদার্ঘবিদ্যা অর্থাৎ পৃথিবীশ্ব বস্তুন্তুর উপ তে ভাষ্যদের পরস্কর সমূর্ক বিষয়ক শিক্ষা। একটা জি সম্ভদ্যান অক্সবিদ্যা অর্থাৎ গ্রামানি ক্ষাম। এই

कार्यक्रका प्रवास्त्री शर्वा श्वापन क्रिये स्थापन क्रिये हैं व्याप अहे क्षत्रक द्वापन दिनहों है नहीं दिनहों क्रिये क्रिये क्रिये क्रिये हैं समुद्रकार दिनहें प्रवास संशोधन क्रिये क्रिये क्रियोग কাছে নিদর্শন অগাৎ নম্ন: লটয়া দেখো, তেমনি ঐ সকল বিদ্যার কথা নম্নার মত কিছুও এই পুরুকে পাওয়া যায়।

#### 

#### ৩ কিত্যপ্ৰেছা মনস্যোন ৷

ক্ষিতি, অপ. তেজ, মক্ৎ, সেয়াম এই পাঁচ সপ্তুত শ-কেতে ভ্মি, জল, আন্তান্ত নাতাদ, জনা স্কান্টিলাটিক প্রভুত কলে। আর কোন প্রিতলোক কলে, প্রিরীতে যত কয় দ্বী হয়, সকল এ প্রভুত হইতে উৎপন্ন।

১। কিভি অধান জ্যা, তাহা মন্যাদের ও পাল ও পালদের বাষয়ান! জ্যির মধ্যে পাথর আছে। বন্ধ দেশে
প্রায় পাথর পাওলা যার না, জিন্ত যে দেশে পর্কার থাকে,
দেশী দেশে পাধরের আভাব নাই। জ্যার ভিচরে লোহা,
শাশা, ভাষা, রুপ, শোধা ইড়াদি নানা প্রকার থাছু
পাওয়া যার। আর ভূমিক্টকে আস ও নানা দকার
ছোট বভ গাছ উৎপন্ন হয়, এবং গাল ও নানি দকার
ছোট বভ গাছ উৎপন্ন হয়, এবং গাল ও নানি করে প্রভা জ্যিয়াছে, কেননা প্রমেপ্তর সৃতিকালে বহিবেলন,
প্রিবীতে গ্রামা ও বনা পদ্ধ ও উরোগানি জর প্রভা নানা জাভীয় কন্তবর্গ উৎপন্ন হউক; তাহাতে সেই রূপ
হলল। এবং মনুষ্যের শরীর ও মাটির শরীর, যুহেতুক প্রমেশ্বর আদ্মানে সৃত্তি করিবার সমধ্যে 'মৃভিক।বারা ভাহাকে নির্মাণ করিলেন।'

् २। अल अर्था करा। जारतरक बीवज्रहर राष्ट्र छल-

কার হয়; ভাহানা থাকিলে সকলি অল্প কালের মধ্যে কুফাতে মরিয়। যাইত, আর জল যদিন; থাকে, ভবে দারীর মলিন হইলে পরিস্কার করা যায় না, এবং জল না থাকিলে কোন খাস ও কোন শসা ও কোন গাছ হৈতে পারে না। সকল জল সমুদ্ধেতে একত হয়। সে সমুদ্ধ পার হইতে গোলে তিন চার মাস লাগে, আর ভাহা এমন গভার যে অনেক স্থানে পাঁচ হাজার হাত লহা রক্তুতে লোহা কি পাথর বান্ধিয়া জলে ফেলিলে ভলাতে লাগে না। সমুদুহইতে মেঘ উঠে, সেই মেঘ যাধ্যার। পৃথিবার উপরে চালিত হইলে বৃত্তি হয়, বৃত্তিতে নদা ও পুত্রিনা কলল জলে পূর্ণ হইলে মনুষা-দের মহা উপকার জনো।

া ভেজ অধাৎ হাটা। আন্তনেতে রক্ষন হয়, ও শীতকালে শীত নিবারণ হয়, ও তাহাতে লোহাইড্যাদি গাড়ু
গলিত হইর, ফাল ও কোদালি ও ছুরি ও ঘটি প্রভৃতি
অতি আবশাক দুব্য সকল হয়। এবং মাটিতে কলসী
ইাড়িইভ্যাদি গড়িয়া আগনে দিলে হাতি শক্ত ও কর্মা উপযুক্ত হয়। কেবল কাঠ এড় নাড়া আলাইলে যে আপ্তন
হয় ভাষানয়, কেননা কড়ের সময়ে আকাশে যে বিদ্যুত্ত
দেখা যায়, দেও এক অগ্নি বিশেব, এবং কোনং দেশে
পর্বত হইতে অথি উঠে; এমন পর্বত্কে বাড়বানল
পর্বত বলে।

৪। মরুৎ অর্থাৎ বারু দর্মস্থানে থাকিলে চক্তে দেখা যার না, কিছু ভাছা এমন আবশ্যক গুরা, যে ভাহার অভাবে জীবজন্ত তৎক্ষণাৎ সরিয়া যায়, কৃষ্ণ স্থান হয়, আমি নিবিয়া যায়। সন্সা ক্ষণে ২ বাষ্ ভক্ষণ করে, ভাছা প্রখাস বলা যায়। বায় স্থির হউলে ভাষার শব্দ জনা যায় না, কিন্তু অস্থির হউলে ভানা যায়। বাঙাল মক্ষাং বহিলে শরীরের অভান্ত মুগদায়ক হয়, কিন্তু প্রস্তাহিলে বাড় বলে, ভাছাতে কথন ২ ঘর ও গাভ নইট হউলে মনুষাদের বড় ক্ষতি ভাষো, এই দেশে গুম্মাকালে নক্ষিন, স্বাকালে পুন্র, শাভকালে উত্তর হউতে বাতাস বহিয়া গাকে।

৫। ব্যোম ভাপতি শ্না কাছাকে বলে, না, দকল বস্তুর অভাব। অর্থাৎ যেথানে মাটি নাই, বায়ু নাই, কল নাই, কিছুই নাই দেখান শ্না আছে, অতএব শ্না কোন বস্তু নহে।

এই পঞ্জুত অর্থাৎ মূলবস্তুর কথা অনেক শাস্ত্রেতে লেখা আছে, কিন্তু উপরাজী প্রধান হ পণ্ডিত্রন। পদার্থ সকলেন পরীকা করিয়া দ্বির করিয়াছে, যে পৃথিবীক্তে প্রায় ৬৪ প্রকার ভূত অথাৎ মূলবস্থ আছে।

#### ৪ কুকু**র ও শিয়াল।**

কোন দিনে এক কুকুর আপন করার গৃহ ত্যাপ করিয়া বনে ভূমণ করিতে গেল ও সেখানে এক শিয়া-লের সহিত তাহার দেখা হটল। শিয়াল বলিল, কেমন আছ কুকুর মহাশয়? কুকুর বলিল, আমি ভো ভাল আছি, গুমি কেমন আছে? শিয়াল বলিল, আছি ডাল: হে মহা-শয়, তোমার শ্রীর ছাউ পুষ্ট ও তোমার চুল সুন্দর চিকন দেখিভেভি, ইহার কারণ কি, ব্কি সুখে কাল काष्ट्रीख । कूकृत निलम, शै, आधात कर्न्हात घटत मृत्य আছি, কোন কয় করিতে হয় না, কোন শ্রম নাই, আর मिति २ गर्थके छाउ थाईरेड शाहे, ও कथन २ मग्रह मिन चुमितः श्रांकि: आधाद मद्भ याहेदा, हल ना, डाशांटड আমার যে গড়ি ভাছা ভোমারও ভটবে: শিয়াল विनेत. আছাঃ कि वॉलना, अलन मृत्यद कथा छनिया ভোমার महा याहे एक का भारत প্রায় है छ। इस किन सुन এই দেশ ভোমার গায়ে এক যা আছে এ কি বলঃ কুকুর বলিল, এ কিছু নয়, সে দিনে আমি কর্তার থা-লাতে দাজান ভাত দেখিয়া খাটতে লাগিলাম ভাহাতে কর্ত্তা ভাষা দেখিয়া লাটি লইয়া লামাকে মারিয়া ভাড়িয়া দিল শিয়াল চলিল, অন্য কোন সময়ে এমন অপমান পাইয়াছিলা। কুকুর বলিল হাঁ, পাইয়াছি বৈ কি, বার্থ মারি থাট ও কর্ত্তা আমাজে ভাত গালার উপরে না দিয়া কেবল উচ্ছিস্ট ও মাছের কাঁটা দকল কাদার মধ্যে ফেলিয়া দেয়: কিন্তু ভার্তে কিন্তু ভাবি नाः गान कि, अभमान या कि: (भिष्ठे खित्रा शाहरू भाइताई ও निद्राम श्रांकित्व भाईताई हरा। य कथा উনিয়া শিয়াল এক দিনে দরিয়া কুকুরকে বলিল, তবে আমি কথাৰ ভোমার সজে গাউৰ না্ৰর্ণ মরণ ভাল অপমান ভাল নয়: ভূমি পরের উচ্ছিট্ট ধাইয়া ও পরের

महिन क्षेत्र प्राप्त है। इ.स. व्यक्ति कार्य है। व्यक्ति कि कार्य कार्य कि कार्य कार

শ্রকার মানুষের আল্লফলইরা নিয়ুর্যে থাকা ভাল নর। হে ভাই, ভাহারে। কাছে কিছু ভিক্লা না চাহিয়া সাম্বর শ্রক্তিয়ুম কর, ভাহাতে ভোমার মলল হইবে।

#### **क् वस्टारियत विवत्रग।**

मुख्यम माप्रक यन कि विक्रिक्त वन क्यारिक्त मिल्ल में मेरहा था था कि निविद्य अक्यारिक मेरहा कि विक्रिक्त कि क्यारिक मेरिक कि क्यारिक मेरिक मेरिक

यहारात्मं प्राथा अनुपात २०,०००,००० अधीर स्थित काछि लाक यान करते, काहारात्र प्राथा अधिकार में हिन्दू किन्न अस्तक झारत विराधका शृज्याक्षरण करते के भूननप्रात्त आर्फ। शूर्धकारण भूननप्रात्तत्रो अ तर्णत् संखं। विश्व किन्न है ९ ३१६ के नारण, यान ३५७६ वारण है स्वीवरणाक आनिया वाहानिश्रतक अस्तक्षित्रा लाण अधिकात किन्नश्रद्ध, त्म आयि है १ मन्द्रीद्वता होजा-भागमा करता मध्य वज्रताण आत्र २८ (जनप्रत्व विश्वक हतः श्रद्धाक स्वनारक अस्त बन्न अस्त अस्ता आविद्यक ए अन क्षेत्र कारणहेत्र धारक स्वाह्म श्रद्धाक कारणहेत्व भागमा करत्, कारणकेत्र अस्तक स्वाह्म श्राह्म कारणहेत्व भागमा करत्, कारणकेत्र अस्त स्वाह्म अस्त हर्णके स्वाह्म

अन्दर्भाग व्यव कि श्रश्नाम किय नगर कारक के जीन-काला, अने दुसर की गीडवी क्ष्मीत लीटन विश्व ककि दूसर डाजधानी, इसे नगरह अन्दर्बन (क्षांत्र क्ष्म कर्यात स्थानकी स्विनावान नगरकिनिकाका स्वेटक ६० (कार्य उचार द्वाम सकरमान मध्याद सालिक व नगर पूर्वकारक बाजधानी किन, यात वस्तर रावादन कराव कर्यकारक बाजधानी किन, यात वस्तर रावादन कराव कर्यकार मनगरन बाक्ष वान कराव किन्न वार्य भाव के का, तोककोग्र एक जाहात किन्न वार्य

विकारत भूरत भागां व वर्षा विकास कर कर नवाय किए, किंद्र रमें अवस वर्ष के मानहोन हहेगारक । आह राहे नवरत विकारण मेंबारण अनिक प्रमेमण रख शहर हहें कार्यक क्षांकार स्मारकार यहाँ यन देशांका कार्यक क्षांकार स्मारकार यहाँ यन देशांका

### শুস্তমাশ বেশকরের জন্ম শুলিকার করে। বভাষ্ট

श्रीय अक्षेत्र र ब्याल व देना, शाकिक स्वरण प्रजनसाम प्रकार कुन्न बुद्धक अने तांत्र। दिन साद बुद्धकी किल कारों। केल जान किया कर बेन्डावाद ক্ৰিলিকাৰ মনুষ্ঠ ছিল কিন্ত ছামান্ত ক্ৰিলিকা कृत्य प्राक्ता काकारक करम र विकास के व व वाकार निक हिना, अल्ला वक्कीबाब दनरेंच प्रश्नास स्नावका कि लान लाहेका अध्यक (गण कर कहिन, ब्राहारङ जाहार केंद्र) जीवाद कावित लामन कनिया क्रिक मि अपन महिल लाहरण, वाचाव चना ६ व्हावा वाचाव श्री कि अविरक नातिन, व कादावार्क्यमान कविरक (मक्की केविन) 'दिनान मिटन मेकरन वाजगणाट विस्ति वृक्कीवाई रमका-लाडित मार्क व अना करमत क्या क्या अम कतिका ता-कारक हिलान, ट्रांमात नाम दूक्तीहर्देशक मनीम वस ल मध्य आरक् अपन कथा अरमरक बर्ल द्रुष्टि, किन आयद कोर्ड क्षेत्रक प्रधान कथन मिथा ने कार्यनि हित्रियन-स्थि (नन, जरव कामना अन शाजीदन कान्यिता कान्यत निविच जामाराक महकारण युक्त कहारी, कार्यस्य क्रीराई क्ष वन वाश काम बार वि कूर काम देश कि महिन क्षित। नाई वारका वक यह रेखिक दुर्शिक्षक नवास छाड़िया मिना, तम होती व्यवस्थित स्टेस

ভুলিয়া ভাছার শূঁড়ে এমন আঘাত করিল,যে হস্তী ঘোর-তর গর্জন করিয়। পলাইল। বুক্তীয়ার এই প্রকার জয়ী হওয়াতে ভাহার শত্রা অভাত লজ্জিত হইল, ও রাজা তাহার আরেও আদর করিল,এবং তা-ছাকে প্রধান দেনাপতি করিয়া বঙ্গদেশ জয় করিতে আজে দিল। বৃক্তীয়ার বহু দৈনা সঙ্গে লইয়া বঙ্গৰেশ जर कहिए राजा कतिन। मिनप्रार नकन्तिन वन-্দেশের রাজ। ছিল, আর দেনবছীপে বাম করিত। মুসলমানদের আগমনের সংবাদ গুনিয়া রাজার অমাভা ব্ৰাক্ষণেরা আদিয়া নিবেদন করিল, হে রাজন, কোন লন্নটো যথন রাজ। আলিয়া বঙ্গদেশ অধিকার করিবে, আমাদের ধর্মানুহে এমন এক ভবিষাৎবাকা আছে: দেই সময় এখন উপস্থিত, অভএব মুদ্ধ করা নিয়ুল, আ-পনি পলায়ন কয়। লক্ষণদেন রাজা অভিবৃদ্ধ ও দুফল ছিল, এই নিমিতে তিনি তাহাদের পরামশ গ্রাহ্য नः कतिया नवनोश्य धाकित्व चित्र कतिन। शरद्र (महै বাক্তবেরা এবপ রাজবাটার অন্যান্য প্রধান ব্যক্তিরা আপন ধন নম্নত্তি রক্ষা করিবার জন্যে তাহা নৌকাতে त्वांकाइ कविया উভिया (मर्ट्म श्रोठाडेन। वल्द्रम्भोत्र क्रांका ও तांकशृहरस्ता अप्रम श्रीनमाहम श्वसार्ख বুক্তীয়ার কোন বিঘুনা পাইয়া নবছীপের নিকটে উপস্থিত কইল।পরে দে আপেন দৈন্য দকল নগরের वाहित्त्र द्रार्थिश (कवन ১৭ जन मरक्र नहेश नशरू - अरवर्ष कविन, अव॰ द्राजवानी शयाह निवः बादवकक

দিগকে সংহার করিল। লক্ষণদেন দে সময়ে ভোজন করিতেছিল। পরে লোকদের চীৎকার শুনিয়া এবং শুলু আনিয়াছে, ইহা জ্ঞান্ত হইয়া, সে উটিয়া আপন শুরের পশ্চাদিনে গবাক্ষার দিয়া পলাইল, এবং কুদু এক নৌকাতে চড়িয়া এমত বেগে গেল, যে জগন্নাথকেতে উপদ্বিত না হওন পর্যান্ত নৌকা এক বারও লাগাইশ না। ইহার মধ্যে মুললমানদৈনা নগরে প্রবেশ করিয়া খাহাকে পাইল তাহাকে সংহার করিয়া ঘরে ২ গিয়া-লুচপাট ও অত্যাচার করিল, কেহ তাহাদিগকে বারণ ক্রিণ না। এই রূপে বঙ্গদেশের রাজা পলাভক হইলে চাহার সংস্থানী কেবল নয় সমস্ত দেশ অন্ত দিনের মধ্যে মুললমানদের অধীন হইল

#### ৭ মিখ্যা কথার বিষয়।

রামজয় বালক দেখিতে সুন্দর ছিল, এবং তাহার মাবাপ ভালাকে অভিশয় প্রেম করিত, কিন্তু রামজয়ের একটা বড় দোব ছিল, দে বার ২ মিথা৷ কথা বলিত: ভাহার পূভাক তান৷ রামজয়ের পাঁচ বৎদর বয়দ হইলো ভাহার পিতা ভাহাকে পাঠশালাভে পাচাইল, আর দে-খানে দেক, থ, ক, বানান, ফলাইভাাদি শিক্ষিতে লাগিল, কিন্তু শিক্ষাতে ভাহার বড় মন নাই, দে কেবল থেলা করিতে ভাল বালিত। ক্থান ২ দে অভি বিলয়ে পাঠশা-লাভে আলিত, ভার যথন শিক্ষক ভাহাকে জিজানিত, হে রামনর, এড বিলয় কেন, তথান দে মিখ্যা করিয়। ৰলিত, আমাৰ পিতা আমাকে শীৰ্ আনিতে দেৱ নাই, किया, आधारक टाजारत याहरे इहेंग। कान १ मिन क আল্লা করিয়া একেবারে পাঠশালাতে আলিও না,আর ভাছার পর দিন আসিয়া বলিত, কলা আমার ব্যামহা হুইয়াছিল,এ নিমন্তে আসিতে পারি নাই। শিক্ষক ভাছার ककार विश्वाम कविया जाशास्त्र भाषि पिछ ना जाशास्त्र মিধ্যা কথা কহিতে ক্রমেং রাম্ভায়ের সাত্স বাজিল: সে জানিত না ইখর মুর্গছইতে তাহার প্রতি নিতাং স্থিতি করেন, আর ভাছার কথা সকল প্রেন। কথন ২ রাম-ভাষের পিতা ভাছাকে পয়সা দিয়া সংস্থার করিকে পাচাইত, ভাহাতে দে দুষ্ট বালক পিতার প্রসা চুরি করিয়া মিটাই কিনিয়া গোপনে ধাইত পরে আসিয়া विनिड, बाजि मुता मकल वर् मुर्जुना, श्यमात्र श्रायकृशाय না অনুই তরকারী আনিয়াছি। ভাহাতে পিভা ভাহার কথাতে বিশ্বাস করিয়া ভাষাকে শাস্ত্রিনা দেওয়াতে দে মিখ্যা কথা কহিতে আরও সাহস পাইল, সে জানিত मा, (य मेचे काशांत श्रेष्ठि मुख्यि करतम, ও ভাগांत कथी দকল উনেন। পরে মানুষ হইলে রামজয় দোকান कतिया रमाक्रमितरक विश्वत काँकि मिर्ड लाशिल, मदर्भ वानि मिनारेका वनिक, अ शांकि नदव, प्रवृत्तार हा देन ধঁড়া দিয়া ৰলিত, এ উত্তম মর্দা: কোৰ দিনে এক কৰ नार्ट्य चाहात माकारन व्यानिया जिल्लानिन, अ कनान्त्र प्रमा कि, त्राप्रकय विश्वम, व मारश्य किछूहे जात्व का,

न्डन चानिवार्ष्ट, छाहार्र्ड तम बन्निन, मारह्क:हेर्युः ্ষীম এক ব্লেপ্রা: সাহেৰ তথ্নি এক টাকা কেলিয়া बिहा अरु कान्ति कना नहेशा शान, ब्राप्तजर होका नहेना ক্ছিল, এবার বড় লাভ করিরাছি, কেমন ভাছাকে ঠকাইয়াছি:কিন্তু সে জানিত না, ঈখর বর্গহ্টতে তাছার প্রতি নিতাং দৃষ্টি করেন, আর ভাষার কর্মা সকল দেখেন ও कथा गठन स्थान । त्रांप्रकार विधा कथा कहिए अधन ক্লিপুণ ও সভর্ক ছিল, যে কথন ধরা গাছিত না, আর ক্ষেম্ লে ধনবান ছইয়া উচিল। অপার সে দোকান ष्टांषिया अक जानूक किनिया जिल्लाको कदिए लाशिन, কিছ ভাহার কুয়ভাব লারিল না: কেননালে আপন প্रकामित्रक অভিশব দৃঃश मिन, मে काश्रांक अ जानश्रं লিথিয়া বলিড, ভোর পিতা আমার যে টাকা ধারিছ, তা দে, না দিলে ভোর ঘরহার বিক্রে করিব: দুঃথী পুরু কি করিতে পারিত, নালিশ করিতে যোতা নাই দিছে श्रेष: अना **अन्नरक (म तिलक: अ**ञ्च त्रश्रद्ध कृत वाहिः चाटि , मिट इंडेरव, यात श्रुका यमि (महे तरमदिस करक দেখাইত, ভবে সে বড় রাগকরিয়া ভাছা চিরিয়া বলিও একবজ জাল কবজ, ভূই টাঙ্গাদে, এখনি দে: স্নারা নিলে তোর সর্বনাশ করিব। এই প্রকার বে **আ**রেক টাকা সঞ্জ করিয়া অভিশ্র ধনবান:ছইল্যাকিন্ত ঈশ্র ৰৰ্মহইতে তাহাৰ প্ৰতি দৃক্তি কৰেন, ও ভাহার কৰ্ম नक्त (मटबंग, के क्या) गक्त वहराज, कादा वामका विरवण्या कतिक वाश्वासम्बद्धमान् मिन शरत त्रामकरहतः मृक्रा হইল, তাহাতে মৃত্যুর দৃত আলিয়া তাহাকে নরকে নইয়া গেলা। বাইতে ২ রামজয় ঐ দৃতকে জিজালিল, তৃমি আমাকে কোখার লইয়া বাইতেছ; দৃত বলিল, নরকে লইয়া বাই, কেননা আমার প্রভু এই আজা দিয়াছেল মিখ্যালানা লোক আমার মুখদর্শন করিবে না, আলি তাহাদিগকে অতিশয় খুনা করি, তাহাদিগকে নরকের আগুনে কেলিনা। ইহা তনিয়া রামজয় কাঁদিয়া বলিল, হে মহালয়, এবার ক্ষমা করন, আর মিখ্যা কহিব মুদ্র বলিল, আমার প্রভুর আজা কথন অন্যথা হইছে পারে না, ও রে দৃত্তী নারকি মনুষ্য, বাও, নরকে মুম্মমার কল ভোগ কর, আর ভোমাকে বলি, নরক হইতে, তুর্নী কথন উদার পাইয়া না, ভুমি অভি অল্প লাংকার কাভাতের জন্যে পারকাল নউ কারয়াছ; তোমার ব্যুনার লাভের জন্যে পারকাল নউ কারয়াছ; তোমার ব্যুনার শেল হইবে না, ও কথা কহিয়া দৃত ভাহার হাতপা নাছিয়া ভাহাকে আগুনে ফেলিয়া দিল:

হে প্রিয় বালক, মিখ্যা কথা কথন কহিও না, কেননা ঈশার বলিয়াছেন, মিখ্যাবাদী লোক নরকগামী ছইকে যথন মিখ্যা কথা কহিবার ইচ্ছা হয়, তথন ভোমরা ন্যুর্থ করিও, যে ইশার ভোমাদের প্রতি দৃষ্টি করেন, এবং মিখ্যা কহিলে নরকে যাউতে ছইবে।

#### ~**⇔~** ৮ কাল বিভাগ।

ইৎপঞ্জীয় লোকেরা আরু অনা ২ ইউরোপীয় লোকের বিপ্লকারে কালের বিভাগ করে,ভাহা ভোমাদিগকে বর্তি এক দিবারাজিতে ২৪ ঘটা হয়। সেই ২৪ ঘটা ছুই
হৈছের রাজি অবধি গণনা করে, ভাহাতে ছুই প্রহর দিন
করিত ১২ ঘটা হয়। দিবসৈর বিভীর প্রহর অবধি
করেরবার ১, ২, ৩, ৪, ঘটা গুণিতে আরম্ভ করে,
কাহাতে রাজি ছুই প্রহর পর্যন্ত ১২ ঘটা হয়। এই
ক্রানার দুই ১২ ঘটাতে ২৪ ঘটা হয়।
ক্রী অর্থাৎ কুদু ভাগ, কেননা সেই ভাগে সকল অতিছোট;
ক্রী অর্থাৎ কুদু ভাগ, কেননা সেই ভাগে সকল অতিছোট;
ক্রী অর্থাৎ কুদু ভাগ, কেননা সেই ভাগে সকল অতিছোট;
ক্রী বানন ভোট হইলেও আরবার ৬০ ভাগে বিভাগ
ক্রী বান, ভাহার নাম সেকও, ভাহা এক নিমিষ মাজ।
ক্রী বার, ভাহার নাম সেকও, ভাহা এক নিমিষ মাজ।
ক্রী বার, ভাহার নাম সেকও, ভাহা এক নিমিষ মাজ।
ক্রী বার, ভাহার নাম সেকও, ভাহা এক নিমিষ মাজ।
ক্রী বার, ভাহার নাম প্রক্রিক ক্রী ২১
ক্রীবৈতে এক মাস হয়, আর ১২ মানে এক বৎসর হয়।
ক্রী আনের নাম ও ভাহাদের দিনসংখ্যা এই ২।

\*% कानूसोति, २১ मिन। २ किकुसाति, २৮ मिन।

७ मार्ग, २১ मिन। ८ अशिक, २० मिन।

৫ मि, २১ मिन। ७ अपून, २० मिन।

१ कुलाई, २১ मिन। ৮ खांतके, २५ मिन।

१ कि मिस्सार १ कि चांकित १ १ कि चांकित १ १ मिन।

१ कि मार्थित, २० मिन। १ कि चांकित १ १ मिन।

ক্ষেত্রারি মানে কেবল ২৮ দিন, কিছ তিন বৎসরান্তর শুনানের ১ দিন বাড়ে, ভাহাতে ২১ দিন হয়, ব শীনের নাম মলদিন, আরে যে বৎসরে মলদিন হয়, শোহার নাম মলবৎসর; ই৭ ১৮৪০ শাল এক মলবৎসর শিল্প, আর ১৮৪৪, ১৮৪৮, ১৮৫২ শাল মলবৎসর ক্ইবে। এক সামান্য বংগরে ৩৬৫ আর মলবংগরে
৩৬৬ দিন হয়। পৌষ্মাসের ১৮ দিনে ইংরাজী বংগরের
প্রথম দিন হয়। ইংলণ্ডীয় আর অন্য ২ এটিমভাবলাই
আভিরা বীশ্ব এটির জন্ম অব্ধি বংগরের নংখ্যা করে,
ভাছাতে গেই সময় অব্ধি গণনা করিলে সমুতি ১৮৪৩
বংগর হইল।

#### २ वसूरा।

নিজিলি দেশে দিওনিস নামক এক রাজা ছিল। সে ্বড় দুইট ছিল, এবণ আপন প্রজাদের উপরে অ**ডিশ**র (मोहांका कहिंच, **जाद (माय न) शाकिएंगड कारनक (म**र्स-करक ने ने हो इं के ब्रिटिंग चाका दिए। (कान दिन दाका अ দালেরা এক ব্যক্তিকে ধরিয়া ভাহার কাছে আনিয়া বলিল, এ ব্যক্তি ভোমাকে বধ করিতে চেক্টা করিভেছে! রাজা বলিল, ইছাকে ফাঁসি দেও। এ ব্যক্তির সাম माप्रम ছिन। পরে ভারারা ভারাকে লইয়া যাইভেঞ্জি, এমন সময়ে দামন রাজার সমাথে বোড়ছাতে দাড়াইলা নিবেদন করিল, হে রাজন, আমার একটা প্রিয়ন্ত্র<del>লা</del> কন্যা আছে, দে নাগুভা হইয়াছে, কিন্তু ভাছার বিবাহ र्व नारे, जाशन सम्बुर कतिया जाग्राक वाष्ट्रि वार्ट দিউন, আমি ভাহার সহিত আর বার দেখা করিয়া ভাহার, বিবাহ দিয়া কিরিয়া আসিব, আমার বাছি এথান স্ইতে এক দিনের পথ; আমি আজি গেলে ভিন ্দিনের পর ফিরিয়া আসিব। রাজা বলিশ, ও রে 🗱

शालाइटड किंदी कविटलक् निर्खाध, लामांत कथा সানিব। দামন বলিল, হে রাজন্, আপনি যদি বিখাস ন करतम स्टाब सामात अथारन अक वक्त सांस्त्र, रन सामा শুভিনিধি হটয়া আপনকার কাছে বন্ধ থাকিবে, আর্থ বাদি তিন দিনের পর ফিরিয়া না আইদি, তবে আপা 'আঘার পরিবর্ত্তে তাহাকেই ফাঁসি দিবেন। রাজ বলিল, ভোমার কি এমন এক বস্তু আছে, লে কে ও নে কোথা, তাহাকে ডাক। দামন বলিল, তাহার নাম शिष्ठियान, ७ तम अहे नशरत जाम करतः छाहारक जान এক দৃতকৈ পাঠাইয়া ভাছাকে আনাইল : পিডিয়া আসিয়া ভাবৎ বুস্তান্ত গুনিলে বাজা ভাষাকে জিল্ঞাসিৰ ভূমি কি দামনের প্রতিনিধি হইবা। সে উর্র করিল, 🕻 গ্ৰহারাজ। রাজা বলিল, ভোমার বস্থান দিব পরে মা আইলে আমি ভোমাকেই ফাঁদি দিব। পিতিয়াস ছিলিল, যে আজো মহাশ্য়। পরে রাজা আশিচ্ঠাজভান করিয়া ভাষাকে কারাগাবে রাথিয়া শক্তরণে রক্ষা कॅब्रिट बाजा मिल. ७ माममटक विमाय क्रिन। मामम मीष् वाभन वाहीटल निया कनाव विवाह मिल ७ जाहे বন্ধদের দহিত সাক্ষাৎ করিল। ভাছার। ভাছাকে हाथिए अरनक यञ् कृतिन, किह मामन छाहारमद कथा না মানিয়া তৃতীয় দিনের প্রাতে ফিরিয়া গেল। ঘাইতে ২ মতিবৃষ্টি হইল, ভাহাতে দামন কোন নদীর কাছে মালিয়া দেখিল, পুল ভাঙ্গিয়াছে ও নিকটে কোন मीका नार, भारत रम किछ प्रांख मामह ना कतिया जान

कोला सिका नामुचित्रा भाव प्रेम। वधे भाव प्रेस् **बीहर्गाक अक कर किसा वाहर इंग्ला, रम कार श्रा**रेश कड़िया म मृख्द पूरे कर ममूहरम मिथिए भारेमधू ভাহার৷ গাছের আড়ে ঘাটি বলিয়াকে, তাহাতে দে 🕶 পাইরা ফিরিরা পলাইতে উনাত হইপ, কিছ ভাইটে বন্ধুর দশা ভাহার মনে জাগুৎ হংগাতে দে আর বল সাহস করিয়া মণ্ডে গিয়া আপন লাটি ভুলিয়া ভাহাদিগৰে ভাদিয়া পার হটদ। পরে ভাহার কিছু বিলয় হটবাছে हेहा (मुबिहा तो मोड़िएड नाशिन: स्वर्डहे-नुर्क अर्डि बाह्य इंडरक मृदत बाकिया ताकात वाहि व्यक्तिक गारेम क्षेट्रांट त बाइड शहेबा तान । किथिर नाइ:विकि মগরবারের সমূধে অস্থা লোক অড় হইভেডে, স্লার এক কাঁনিকাঠ উঠান বিয়াছে; ভাহাতে লে আরো বেনে পৌড়িল; নিকটে জানিতে ১ লে পেখিল, ভাছারা विविद्यानत्क नाश्चिता कानिय काटक नहेग्रान्याहेटलेटक ক্সভাহার পদারাক্তি দিভেছে। তথম দার্থপর্টক্র বলিল, থাক ২ এই আমি ২ জামি আদিয়াছি, আমাইকই কাঁদি শেও, আনার বনুকৈ ছাড়িয়া দেও। ৰাক্ষা स्रविश मक्क लाक चाराव श्रुठि हारिए नाशिकः बनाम ७ वृत्तिक क्षेत्रप्राचनक्षत्रक्षत्र तीक्ति हा हाकाई काट्य चानिया श्रवाम कहिया विभिन्न दर्शमहादान कमा करन, जामात विभूत हरेगारक, भेरब वर्ष विभन हरेगार-ছিল; তাহানা হইলে শীগু আবিভান। পরে রাজা मिकि भाषार्था स्थान स्विता बनिष्यान विषय ७०००कि

हुई बंद साप्ति संबन (निब नाई; एर नीयन, एर निविद्यान, ভীমরা যে বছনে পরস্কর বছ আছ, সে বছনৈ শিমিতিক বন্ধ কর। পরে রাজা টুই জনকে **অ**গির ক্ষিয়া ভাতিয়া মিল।

# ১০ সূর্য জার প্রমা

े क्लान किरन मूर्या ও পৰন আকালে ধাকিয়া পরস্কর विवाद कतिया। भवन विभिन्न, आपि श्रवान, किन्नु मूर्वी वृतिन, का बाधार विश्व यन बारह ; रम्भः ने शासि **मृधिवीतः উপরে এক ব্যক্তি কাইভেছে, ইছার প্রান্তে** বৈষ্টি আছে, ভাষা ভূমি ধনাইতে পার? পরন বলিল, হাঁ পারি, একবার দেখ; ভাহাতে সে ঐ ব্যক্তির উপরে विश्व गानिन, भरत में वाकि कामन वह हाएँ धहिरा রাখিল। তথন পরন আর্মণ্ড শক্ত রূপে বহিতে লগনিল, केशि (मर्थिया मि वाजि बाह ७ लक्क हरन बानसः वस् ধরিল। পরে পরন রাগান্তিত হইরা বুঁহু করিয়া বহিতে লাগিল, ভাহাতে বৃক্ষ ভালিয়া পদিল ও মৃহের ছাত क्रिकिश (तन, विद्व ने वाकि कानम तन्न तात्व कर्णहेत्र दूरे शास्त्र श्रीतम, रकाव श्रमाञ्च श्रीविम वान प्रतरमध्य পৰন ক্ষান্ত হইৱা পূৰ্ব্যকে বলিল, আমাহইওে হইবে না, ভূমি চেক্টা কর দেখি। পরে কড় ক্ষুকান নিবৃত্ত হইলে 🕦 মেঘ গৰুল উদ্বিহা গেলে সৃষ্টি প্ৰকাশ হইমাং 🕸 টাহার বীরবে পত পদি স্বল আন্দিত হ্ইল**্ড** 

নিয়া সকল আপন ঘর হইতে বাহিরাইর। আপন কর্মেনিনা পরে দেই পথিক বাতাসকে নিবৃত্ত ও আকাশকে নর্মানিক ও সূর্যাকে প্রকাশিত দেখিয়া নিশিয়ে হইয়া বেকে আল্গা করিল, এবং ক্লেক কাল পরে তাহার বিয়া বোধ হওয়াতে বন্ধ গুলিয়া কান্ধে রাখিল। এই কোরে সূর্যা ভরী হইল, কেননা রাগ ও বল্ছারা বে সাধন হয় না, তাহা মূলু ও কোমল ব্যবহার হারা ক্ষা হইতে পারে।

#### > नका घील।

হে বালকের), ভোমরা সকলে লক্ষাকাপের কথা ভানিয়াছ। হিন্দুরা গল্প করিয়া বলে, পুজে দেখানে ভাবণ রাজা ছিল, ও সীজা আনেক দিন বাস করিয়াভিল, ও এখন ও বিভাষণ রাজা আছে, ও দে দ্বীণ স্বর্দিয়া লক্ষাদাপের সচা বৃভান্ত আমি এখন কিছু বলি। লক্ষাদাপ কলিকাতা হউতে বড় দূর নয়, জাহাজে চড়িলে বদি সুবাতাস হয়, তবে ছয় দিনে সেধানে হাওয়া যায়। সেই দ্বীপ এখানহইতে চিক দক্ষিণে এবং ভাহা ১৪০ কোশ লয়া ও ৮০ কোশ চৌড়াও ভাহার আকার প্রায় ডিমের ন্যায় গোল কিছু কিঞ্চিৎ লয়া। সেই খানকার ভূমি সমুদ্রে ধারে ২ নিলুও উর্জ্বা, ভাহাতে নানা প্রকার শস্য ও নারিকেল ও অনেক দার্চিনি উৎপন্ত হল, কিছু দ্বীপের সধান্তান আভি পর্যত্মায়। আর

তথাকার পর্যান্ত সকলের মধ্যে ৬৭০০ ফুট উচ্চ আদ্র পিক নামক এক পর্বতশৃঙ্গ আছে, গেই শৃঙ্গের চুড়াং হ পরিষ্ঠরের মধ্যে এক মনুষ্ঠোর পদ্চিন্ডের ন্যায় এক স্কুল দেখা বার, সেই পদ্চিক্তের নাম শ্রীপদ্ ও সেইখারক 💡 লোকের। তাহাকে বুদ্ধের পদ্চিন্ন বলিয়া ভীর্ণরূপে ম।ন; করে। লক্কাদীপের বায়ু অধিক শীক্ত ভপ্ত 🗈 ছওরতে সুধা**ও বাহ্য**দায়ক হয়। এ বালের নিকরে नम्रापुत मध्या शृर्ख चरनक मुका ভाना वाहेब, कि সমূতি এ বাণিজ্যের কিছু স্থাস হটবাছে। লঙ্কালীণে প্রায় ৮০০,০০০ মধুষা বাস করে, ভাছাদের মধে অনেকে ব্ৰমতাবয়ী, কিন্তু সেইখানে তানেক দিন অৰ্ণ श्रीक्षित धर्म अठाव इत्रमास्य यस्तरक भीक्षीयान इत्रहारल् **७ हर्ड:७८छ। यत्नेत्र प्राधा ७ शर्खा:७३ छेशात्र (वर्षः)** অর্থাৎ সাথে নামক এক জাতি বান করে, তাহার। আজি অসভা প্রায় পত্তর জ্বা বাবহার করে, কেননা ভাছার। बिबिए तत्न ७ भव्यत्त्र श्रद्भात्र वाग कविया खना प्रमुशास्त्र **पिथित।** प्राप्तक भागायः। होरभद्र प्रश्राह्यात भर्यास्तर উপরে কান্দি নামক এক নগর আছে, দেইখানে পূর্ভে अक वाका वाम कविछ, किन्न अधन बोल इलवाजरमञ्हर গত হওয়াতে লে রাজা পদচ্যুত হইয়াছে। কান্দি নগরের মধ্যে বুদ্ধের এক মন্দির আছে; ভাহাতে পুরোহিভেরং वूरकत मह विलया कि वज्ञातक माँछ मिथा हैया शास्त्र, আর লোকেরা দেই নাঁতের পুরু। করে। দাপের দক্ষিব পশ্চিমধারে বমুবুতীরে কলছ নামক আর এক বগর

वारक, त्मरेशात्व रेप्निक्षेत्र प्रशासकि कर्कृक निर्के वसात शबसक्त वर्षाय पाणमककी ताम करते, व्यक्ति कलिकाकात मात्र अक्षेत्र शक्ति व्यक्ति व नगरत्त त्माक वय्यो श्रीष्ठ २५,०००।

#### ३२ विष्/विषयक माना विरुग्धालमा।

বিল্যাহীন মধুষোর উন্ম কুলেতে কি প্রয়োজন হৈ হেতু দে কথক পুজিত হয় মা, কিছু নীচ লোক ও বিলান হইলে পুজিত হয়!

ৰন্ত ব্যতিরেকৈ অলকার ও মৃত ব্যতিরেকে ভৌজন, ও লক্ষারহিও নারী ও বিদ্যাহীন মনুষ্য, ইহারা কর্মন প্রশংসাকে পার না।

विभाव ममान उक् भारे, अव प्राप्त कुमा मण् राष्ट्र, चात महारमत मम हिएमाल माहे, अव प्रेचरत्र महम वन माहे।

বিদ্যাহীন তাজির জীবন শূনা, বন্ধুইান ছোকের। সকল দিক শূনা, দানহীন মনুষ্ঠের সয়জি শূনা।

পৃষ্ঠ বাজি ধনি বিশাযুক্ত হয়, ভথাপি ভাইাকে নই করিবে, যে হেতুক মণিতে ভূষিত বে নগগৈ কি ভয়ক্তর হয় না।

्त्रारंगाकतिरश्चः त्यः अशीकः श्रेत्रदे ज्यम, वृत्र्णतिरस्य कणहे ज्यम, जूलप्रविरम्बः कणुप्रकाशः अवहे ज्यम, व्यवस् निकामिरावः, जिल्लाहे ज्यम। विश्व

, भेनूना श्रवमानकारक विकितिका विशासन मा करेंगू,

আজে বৌৰনকালে যদি ধন উপাৰ্জন না করে, এবং বৰ্জনালে যদি পুণা নঞ্জন না করে, ভবে সেই স্যক্তি বুশ্বকালে দুংগাংগার।

বিষান ব্যক্তির বিদ্যা উপার্জনের পরিপ্রের পশুজেরাই জানেন, মূর্ব কথন কানে না; যেমন পর্বভারোহণের পুত্র কদায়েরই থোক বিদ্য আর কেই কানিকে পারে না; পুত্রকর্মবিদ্যা, ও পরহস্তগত ধরাকার্যকালে পাওয়। নায় না, অন্তর্গর সে বিদ্যা ও সে ধন মিশ্লান

ি বিদ্যা দীপ ভুল্যা, ইহাতে অন্য প্রদীপ উজ্জল করিছে। প্রাক্তের, তথ্যালৈ তেজােহ্যাসন: হটয়া প্রদীপ্ত থাকে। জজ্জপ কে বাজি বিদ্যা দান করে, মে অন্যের প্রতি অমূল্য কর প্রদান করিলেও আপেন সঞ্জিত বিদ্যার হানি পায় মধ্।

মাভার সমান নাই শারীর পোছিক।।

কান্তার সমান নাই শারীর ভোতিকা।

চিন্তার সমান নাই শারীর শোবিক:।

বিদ্যার সমান নাই শারীর ভবিকা।

#### ----

#### ১৩ অমৃত।

আমাদের আদিপুরুব আদম পাপ করাতে ইশ্বরের ক্রেখপাত ও মৃত্যুর অধীন ছইরাছিল; ইক্ষ্ণে কৃত্যু ছইরাছে পাপের কল। আর আমর্ভ দককে আদিমের বশ্লাত হওরাতে ভাহার পাল্পেকভাবের ভারী হইরাছি ও ভাহার মত মৃত্যুর অধীন হইরাছি। আদর্ম বদি পাশ না করিত, তবে দে কথন মরিত না, ও আমাদের মধ্যে ধনি কেছ সমপূর্ণ নিক্ষাপী হউত, তবে ভাষারও কথন মৃত্যু ঘটিত না। কিন্তু জন্ম অবধি পাপ মনুষ্যের শরীরে প্রবেশ করাতে আর কোন উপায় নাই, পাপের ফল যে মৃত্যু ভাষা ভূমিতেই হয়, কেই এড়াইতে পারে না। কেছং নলে, কোন বিশেষ দুরা থাইলে অমর হওয়া বায়; এই দুবোর নাম অমৃত; আর কবিরা অমৃতের বিষয়ে অনেক রচনা করিয়াছে; ভাষারা লেখে, কোন সময়ে দেবগণ ও নৈতাগণ সম্দু মন্থন করিলে দেই মন্থনে অমৃত জন্মিয়াছিল; পারে বিষ্ণু দেই অমৃত লইয়া এক ভাণ্ডে অর্থাৎ ভার্টে রাথিবা দেবগণকে দিল, দ্বাগণকৈ কিছুই দিল না, ভাষাতে দেবভারা অমর হইল, দৈভোরা মৃত্যুর বশো থাকিল। কিন্তু এ সকল গল্প মাত্র। সভা স্থাত কোৱা। পাওরা যায়, ভাষা এখন বলি।

কোন দিনে প্রভ্ বীন্ত নিথিম নামক এক প্রামে আইলেন, দেইখানে এক কৃপ ছিল, ভাগার নিকটে ভিনি বলিলেন। এমন সময়ে দেই গ্রামহইতে এক ব্রীকলাই হাতে করিয়া কল ভুলিবার কন্যে দেই স্থানে আইল। প্রভু ভাগাকে বলিলেন, আমাকে কিছু জল পান করিতে কেন চাহ। থীশ বলিলেন, আমি কে ভাগা থদি কানিভা, ভবে আমার কাছে জল চাহিতা। দে ব্রীবলিল, হে মহাশর

क्षिमात काटक कनमी नारे, भरत भ कृत काछ १ छोत्र कृषि सम्ब कन काधात लारेना। बीख वनितन, त्य बाक्षि भर्रे कन बाब, ठारात आत्रवात लिलाना हरेक क्षिक कामि त्य कन नि, ठारा यित कर लाम करत, छरव कारात निलामा कात्र कथन रहेर्द्य ना। जो वनिन, तमरे कन कामारक मन्द्र।

ক্ষেথ প্রির বালকের।, প্রভু যার পুটি অমৃত লইরা
বর্গ হউতে নামিরা এ পৃথিবীতে আলিয়াছিলেন, আর
কিনি সকল লোককে ডাকির। বলিলেন ও এখনে।
বুলেন, আমার কাছে আইন, আমি ডোমানিপ্রক অমৃত জল পান করাইন, ডাহাতে ডোমানের আর
কথন মৃত্যু হইবে না। এ নিমিত্তে যে কেহ যার পুটিইর
কাছে গিরা ডাহার হাতহইতে অমৃত গুহন করে, সে
কির্জীবা হইবে।

# ः 🖎 विष्ट्रेगटनाकरएत मण्टकन विवत् ।

বিহুদীলোকদের আদিপুরুষ ইবাহীম। ভাহার লয়-ं श्वान कराम (मर्लाह केंद्र नगर। शहरमधरहरू व्याक्तारक म बालन तम छात कतिया मलतिवादा किमानरमध्य नाम कतिरा राम। यात विश्वत चारारक विमासन, अहे (सम **(कामा**त वशमरक निया (सहे समस् किनाबीह নামক এক জাভি দেইখানে বাদ করিও। ইবাহীম ও ডাহার পুত্র ইস্থাক ও ভাহার পুত্র যাকুব, এই ভিন जन (मर्डे (मर्ट्स विरम्भी ও প্রবাসী হইয়া থাকিল, সেই-থানে ভাহাদের কোন অধিকার ছিল নঃ। যাকৃষের ১২ পুত্র হইল, ভাহাদের মধ্যে গৃধক আপন পিভার অজ্ঞাতে মিদরদেশে নীত হুট্যা দেইখানে অনেক ক্লেশ-ভোগ করিলে পর অভি উচ্চ পদ পাইল। পরে ধাক্র जाशाह **कूण**नवाकी धनिया नशक्तिवादक विमद्रसम् चानन भूट्यंत्र निकटि राम। स्थन योकूटवत्र भतिसात १० জন ছিল। সেইথানে তাহারা দকলে কিছু দিন मूर्थ कान्यानम कतिन। किन्न मुवक प्रतिहत जाना अक রাজা উপস্থিত হইল, সে যাক্ষের বংশকে অভিশয় मृ॰4 विष्ठ नाशिन, ও ভাহাদিগকে দাসদাসী কর্মে तिवृक्षःकतिन्। हेर्नाहीरमत व°ण वहे श्रकात्र,800 ৰৎনত্ন পৰ্যান্ত মিনত্ন দেশে থাকিল। পরে ঈশ্বর ভাহাদের প্রভি প্রশন্মইয়া মূলা নামক এক ব্যক্তিক পাঠाইয়া ভাহাদিগকে औ দেশহইতে উভার করিলেন।

भूग डाहानिशरके वाहित कतिया खद्रवियास्मर खद्रान निष्यः। (शन। (मरे अवरशांत प्रदेश मिनवृणव्यं काःः। ভ্রার প্রমেশ্র তাহাদিগকে বাবস্থা দিশেন। তাহার 👺 देश्यंत भे खहरे।एउँ ताम कहिरण शह, म्हर्र শ্রিকা ইও**রাডে** ভাহার শিষ্য যিহোপুর ভাহাদিগ**ে** ক্ষিনান দেশে লইয়া গোল। সেইখানে তাহার। যুদ্ধ 🚈 🕾 क्षी (मर्भ अधिकात कतिहा याकृत्वत ३२ भूटेंबर मण्ड **জ্পারে দেশকে ১২ ভাগ করিল, আর একং পুজের** তে ষ্ঠী এক ২ ভাগে বিয়া যাদ করিতে লাগিল। দেই হয়। ভাছাদের কোন রাজা ছিল না,ইশ্বরকর্তৃক নিযুক্ত শাস কর্ত্তা ও উপদেশকের। ভাহাদিনকে রক্ষা করিত ও শিল রিভা পরে মূদার মৃত্যুর পর ৪০০ বংসর গতে শৌল 🚉 अक कर ब्राक्र भटिन नियुक्त रहेग, खाद म प्रदिश्त की नामक अरु ता कि ता किनिएशायास विविन, अहे पायुर রাজা অতি ধার্মিক ও ইম্বরপরায়ন আর ক্ষত্রি পরাত্রী ছিল, যাহার সহিত যুক্ত করিত, তাহাকে জয় করি 🕞 দায়ুদ মরিলে তাহার পুত্র সুযোমান রাজা হইল,দে ত'. वृक्तिमात ७ वेश्वर्यामाली हिल ; ४७ विक्रमालप्र तनगर बैक्टबर उरमाण करु प्रसिद्ध निर्माक कविन । मूर्रण हान मंत्रितन श्रकारमत् भरधा विकाम स्रोन । तृतनप्रारंतद्र 🕾 ক্ষিত্রিয়াম অভি নিচুর- ছওয়াভে ভাতাদের মধ্যে ১: ल्लाफी शृधक रहेश। जाता अन कनरक व्राक्रिभाग नियुक्त कविन, वार्टा करें नुगरीय देशीय मिरकता हुई संस्कारक বিভক্ত হইল, অৰ্থাম কিনাৰদেশের উভারে ৩০ গোণী

न्त्रांका, अर्थे शारकार नाम देनारका दाका ७ फर्ड्युक्र क्रज्यांनी (भौतिहाल नगर, चना क्रांकार नोक निक् রাজ্য, ভাষা দৈলের দক্ষিণ ভাগে ও আহার রাজ্যার चित्रनामधा अहे श्रकारत राम पूरे ब्रास्का विकले स्वेत ्रहात्र ६८० वस्त्रज्ञ शास्त्र चम्ब्रिका रात्मक हाका चार्किका रेम्। (वर्णवाका कृष्णाकिमिश्रेरक जन्न कविन, अव० छ तरक चन्दी केविया मृतरम्दल नहेंद्रा शनः जारांत्रा व्यक्ति कथन जो मेंने ज़रण कितिया जाहिन ना नेरदे दिल्लीय লোক তাহাদের পূন্য দেশে আদিয়া বাদ ছাইছে বাগিল ভাষারা ইভর লোক ও অসভা ও দেবপুর্জ স্থিত, ও ভাষারা শোমিরোণীর লোক নামে এর্ছট হইণী **বিহুদী** রাজ্যের সোকেরা তাহাদের স্**ত্**র जाशिक वावबीक कबिक मा। हेमुरियम ज्ञाका नक इंडेटने २०० व**रनत भारत** वार्तिस्मित लाका मितृश्वम् निरमत **दिन्**या রাজ্যে আলিয়া বিরশাল্ম নগর ও ভাহার মৃত্রির ইটি, कविया विष्मीतित अधान १ (माकिनिशत्क वसी कविया व्यापन (मर्ग्य महेरा (मन्। (महेश्वास विद्वीता 🕯 वरमञ्जल वामा अविभाग भारत अनुवास्त्र स्थान अक होका चानित्रा वर्गदिन द्राका नके नित्रा विन विद्योगिनाहरू मुक करिया चानन सारम किविया यांबेंटे अनुमांड विक् अर्रिक श्रांव 80,000 जन कितिया वानिया विवयिन नेशंद्र चाउवांद्र निर्माण कविया स्थापन वान कविर्देश में। মিল, আর ভাহার। প্রায় চঞ্চরৎসর পর্যান্ত অনেক ক্লেন निर्देश ७ मातक युक्त कित्रिशे कार्यन द्वारा होका किलिंग

# ------३**९ मृ**ष्टी ।

निया। दर प्रशानमः, आपि एविशाणि, शृक्षिणेण व्यानमः नगी व्याद्धः, त्रहेशनी वनन क्षित्रां हरे व्याहेशन व्याह्म विश्वा प्रमुख विश्वा विश्व विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्व विश्वा विश्व विश्वा विश्वा विश्व विश्वा विश्व विश्वा विश्व विश्व

উপরে এত জন কেমন করিয়া হব, আরু নেই ক্লেন্ট্রিয়ার বার করি ক্লেন্ট্রিয়ার ক্লেন্ট্রিয়ার ক্লেন্ট্রিয়ার ক্লেন্ট্রিয়ার ক্লেন্ট্রেয়ার ক্লেন্ট্রেয়ান কলেন্ট্রেয়ার ক্লেন্ট্রেয়ার কলেন্ট্রেয়ার কলেন্ট্রেয়ার ক্লেন্ট্রেয়ার কলেন্ট্রেয়ার কলেন্

শিরা। কল পর্যন্তের উপরে উটরা বার, এ ক্রী

सम्। कृषि काकान वानक, खामाद्र कानक निक्रिक वाकि कारक, सन, खामाद्र मा यथन शीफिक सन निम्न काझानद्र केनाद्र कक्ष करद्र, ठथन मि कुन श्रेट कि केरियो

लिना। त्न अन इन्ट धृहाँ हैकि।

গুরু। না, ধুরা। নয়, কেননা ধুরাতে গন্ধ আছে ও তাহাতে চকুতে বেদনা হয়, কিন্তু তম্ভ কলহুইতে বাহ্ উটে, ভাহার গন্ধ ও নাই, তাহাতে চকুর বেদনা ও হর না, ভাহা এক প্রকার নির্মল ধুরা কিনা, তাহাকে বাল বলে। দেই বাল্লেডে যদি হাভ কিছু কন রাখ, তবে হাল ভিজিয়া যায়, আরু যদি অধিক কন রাখ, তবে প্রাল হাভ হইতে ফোটাই কল পচে, তবে বল দেখি কল কি উটে না?

निया। हो। बर्छे, सामि कथन अपन विरवधनः कति माहे, किंद्ध नद्या नर्छे, शास्त्रस्थ कन खारक, छाङ् नाः स्वेदन हाड छिकित्व देवता छ

. छङ्गाः वाङ्गाः (करण क्रण ।

्र छहा। राज, जकी हैं गृष्ण किशा शिविता हूँने वर्ग कार्त रम धूमा बाकारमर्ड के जिल्ला काल, जब के हैं है जै के कार्त तमाच का, जंबा मिं रम धूमा है रिवेद कार्त खेंजाता जात कार्त, रक्ति विद्ध जर्मक कृमु १ विन्दू आज, जात (मेरे विन्दू किम्ल गृष्ण ह उतारक कृम्द कम्मा १ए। रह मिरा कामारक वर्ग, जै वाल किराद (करक केमर्ड केरर)

🗽 শিষ্য। আমি বোধ করি,আন্তনের ডেক্সে উপরে উঠে। 🐇 গুরু 🕽 ভাল, এই বটে, ভবে শ্বন হাঁড়িভে আপ্তনের ভিজে ধার। হয়, গম্দেতে দূর্বোর তেজে তাহাই হয় : मम्मृह्हेस्ड निकार बाज उत्हे, आह आकराम विश মেঘ হয়; সেই মেঘ বাভাগভরে প্রভের দিগে কিছা পুর্বিধীর **উপরে চালিভ**্তুম, আর সেই**থানে** রুধি इश्वरास्त्र जमी नकरन यरधके अन वाशास्त्र। भरत कन नुक्रम जाइनात क्सी पित्रा मधूरम् एक शक्तिश जाह बाह व्यक्तिता नर्वार नात, अध्य जाहरन बाहर चारेंग थाव, **काराव कशन**्य रहाना, जाका (यज्ञन মিতাং ঘূরিবেশও কাধন ঘ্রিবার সেব হয় না 🗁 🤌 े निरा। এখন ভাল বৃত্তিরমন্তি, আরু এক হুছা জিলাং निर्क गृहि, (प्रवश्हेरक वृद्धि एवं क्यान कनित्रा, त्राव बाह्न माख ७ (मन (कपनि स्वधार वरहें, किन्नु के हाइ है कि अपने चए (काँग्रे)कन (कार्य इत्र । 👉 🕟 🖂 🤲

ওল। হাত অনেত হন হাড়ির উপরে রাথিলৈ ভাহাতে কমে ২ জলের কোঁটা হল, ইহারগুলারণ এই, শিখা। হাঁ মহাশয় ব্ৰিয়াছি।

#### ---

## ১৬ ই রা**জলোকদের বৃদ্ধ দেশে আ**গমন ও তাহা অধিকার করণ বৃত্তান্ত।

মুসলমানের। কি প্রকারে বল্পদেশ অধিকার করিবাদি ছিল, তাহা বলিয়াছি। তাহারাপ্রায় ৭০০ সৎসর পর্যায় এই রাজা ভোগা করিল, পরে ইণরাজলোক আদিরা কি প্রকারে ভাহাদিগকে পরান্ত করিয়া রাজা কাড়িয়া লইল, ভাহা এখন বলি। পুর্বেডে ইণরাজলোক বাণিলা করিবার জন্যে এই দেশে আলিড, কিন্তু ভাহাদের এই দেশে কোন বগর কি গড় ছিল না। ইণ ১৬৯৮ সাণ ১১০৫ শালে অজিন উলান নামক বল্পদেশের নবাব ইণরাজলোকদের কাছে ছিনটি গ্রাম নিজয় করিবা। লেই ছিন গ্রাহমর লাম এই ছেটেনভা, গোবিম্পপুর, কলিকাভা। লেই সময়ে কলিকাভা ছোট একটি গ্রাম মাল ছিল। ইহার অল্প বৎসর পরে দিলা নগরে নিবালী বাদলাহ পাড়িভ হইল; আর ভাহার রোগ কোন করি-রাজ ভালা করিছে পারিল নঃ। পরে দিলা নগরে দেই

के रामित्वर निर्देशकाल के के के दिला है जा क्षित, रमें बाँगकेटिए हें रशकेटिय कथा क्रिया कारात काटक ক্ষিয়া আগৰ উইপ্ৰভাৱন ভাছাতে ভাল কৰিল। ভাছাতে ইট্ৰিয়াৰ বড় স**ভট চ্**ইন্না তাহাকে বয়-চাৰিতে কলিদ विभिन्दवे बार्ट्य वर्णिन दि-प्राक्रमारकका क्रिकाउ লাবের নিকটে আর ও পে প্রায় কিবিবে, আপনি অব মুষ্টি দিউন, এবশ ভাহাদের মন্ত বাণিজ্য দুব্য আইং: ছার ভাহার মাদুদ আপনি ক্ষা করণ। বাদদাং मारहरवन्न निर्दर्शन मग्रह हरेग । विश्व और कथा अहात ुर्हरन, वं इत्राबरनाक थे शाम नकन कितिए हाहिएन व**र्गामक**ेनवान् मञ्जा कतिका वाधा मिन, जाहारक ् क्रिंडी 54 श्वाम त्यम शहेश ना प्रति, विश्व ताहे अविध ক্ষ্মান্তবাক বিনা মাদুলে বাদিচা স্বায়িতে পারিল. শ্বীহাতে কলিকাভার উম্বান্ত হটতে লাগিল। ই৯ ১৭৫৬ ्रेशे<sup>०</sup>८ १८७७ मोरम मृजरशोन। वस्ट्रेसरमेत नराट स्ट्रेस িলৈ ব্যক্তি ইপরাধাণোকদের সহিত বুক্ত করিতে মনস্থ क्षिण : चार्यत्र ल्यांब्यात्र कात्रव वह र १ वक क्रम क्रूब्ट-'ब्रेन्टा चार्यात काट्य राजनाथी स्टेक्स नगाहेना देकताक-(में बार्क्क गरेवाहिन, बाद मेरार बाराट हाहिन **ও,ই**শ্রালগোক ভাষাকে আপন আভিত ব্রীক্ত खाराज राज ममर्गन कविन नाग्याले वयाव अविकास किंग क्लिकाडाटक रव अब ब्याह्म, बाहार क्लिट्स र्रे द्वारकः। व्यातकः यम अङ् क्रिक्तः वर्धभनारकः सार्वे উচনয় প্রতি ভাষার কোভ হইল। এরণ ইণরাজ্যা-

क्षित्र तारे नप्रदेश के शक आहर के लेक कहिएक का कि क्षेत्रम, ভाशांख नवांच विनन, वृक्षि, है-बाम्यानांक बालमात्रा द्रावा रहेरच हारह। यह गरन कांद्रन श्रुकुक ৰবাৰ দৈন্য সামন্ত লইয়া আদিয়া কলিকাভা বেউক্ করিল। সেই সময়ে গড়ের ভিতরে কেবল ৫১৪ জন নৈনা ছিল, আর ভাহারা প্রায় সকলে অশিক্ষিত। ভালতে নবাবের অসংখ্য দৈন্য অনায়ালে জড়ী श्रेष्ट्रा গড়েবে প্রকৌ করিয়া ল্ড পাট করিতে লাগিল, এবং कारातः नर्पत किरुद्ध ১৪७ हे १ वाकत्मा करक प्रतिका ছোট এক কার্ণগারে বন্ধ করিল। এট স্থানে ঐ বন্ধি-্লাক বায়ু ও অলের অভাবে এক রাত্রির মধ্যে **প্রায়** मकरम प्रतिम। शास नवाव क्लिकाछ। नशास्त्र अक रैनन) नन द्रांचिया श्रद्धांन कदिल। प्रान्धु (कदन एनं रह উৎরাজলোক ছিল, তাহারা যথন ঐ সকল ভয়ানস্থ দশ্ৰাদ খনিল, ভখন ভাছারা অভি দুঃখিত হইল বটে, কিন্ধ নিরাশ হইল মা; ভাহারা অবিলয়ে নুতন সৈনা ্রপ্ত করিয়া জাহালে চড়াইয়া বলনেশে পাটাইল। এই দৈন্যদের পতি ক্লাইব সাহেব ছিল। নে ব্যক্তি 🌂 বি সাহ্দী হওয়াতে গ্রমানদীতে পৌছিবা মাজে শলিকাতা সময় আক্রমণ করিছে গিয়া আরুবার আবি-कांद्र कदिन । देश एनिया नवाद चात्रवाद युक्त कतिएछ चाइन, विश्व मिर यूरकाल (यह बड़ी मा इने बारल मनाव हारें गाराबद महिन मिक्र केंद्रिया श्रद्धान केंद्रिम । चवालि क्रारेव नार्य कांध रहेन वा। क्लिकांडाहरेटड

৫ কোশ উত্তরে নদীর ও পারে ফাল্সলোকদের অধি ফুত চন্দ্রনগর আছে, আরু দেই সময়ে ইপরাজলোকে? ফান্সলোকদের দহিত যুদ্ধে প্রবর্ত ছিল, এই নিমিশ্র ক্লাটৰ সাহেৰ চন্দননগর অধিকার করিতে প্রস্থান **ক্ষরিল। নবার ভাহাকে বারণ করিল, কিন্তু ভ্রুটন সাচে**র ভাহানা মানিয়া তথায় বিয়া জয়ী হইয়া ফুলিলোক-দিগকে ভাড়িয়া দিল। এই কথা করিলে পর ক্ল**ি**-লাহেৰ ভাবিল, নৰাৰ অৰণ্য আৱবার আমার সাংগ্ যুদ্ধ করিতে আদিনে, ও ফুলেলোক ভাছার সহায়ত क्रिटर, ভাছা इंडेटन सामान त्रकात श्रेश शिक्टर -(कनन। खाप्तांत खङ्ग रेमना, উद्दार्शतंत्र खानक खाग्राः কেবল একটা উপায় আছে, ফুল্সঞ্চেকর দৈনা ৬ নব্যাৰর দৈন) প্রস্তুত ও মিলিত হুটবার পূর্বের যদি হুটাৎ शिहा सवावटक **बाक्रमव क**हिंदा। श्रमहा**ठ**, अवश्र**धा**त्र क জনকে ভাহার পদে নিযুক্ত করিতে পারি, ভবে ন্ড নবাৰ অৰশা আমার পক্ষ ছ্ইবে; তাহাতে আমি রং भारेत<sub>ः</sub> किन्नु अरे क्या (कतन युक्त बादाएड इडेट. পারিবে না, প্রথমে কোন প্রকার ছল করিয়া নবাবের লোকদের মধ্যে বিবাদ জন্মাইতে হইতে। এমন ভাতিত **দে অভি গোপন ভাবে নবাবের প্রধান দেনাপতি মী**র কাফির থাঁকে বলিয়া পাঠাইল, তুমি যদি আমাদেত **लक र**७, ७८४ वराव लम्बूग्ड स्ट्रेल (स्राप्तादक द्वास) নি^হাদনে বদাইব। ভাহাতে মীর জাফির শাঁ দর্শ **र्**डेन । हेर। क्यांठ स्टेल शत क्राइंड सार्ट्ड ७५०० सः

দৈনা শইয়া নবাবের সহিত যুদ্ধ করিতে গেল। নবাৰ গেই সময়ে পদালি নামক গ্রামের নিকটে ছাউনি রিয়াছিল। ক্লাইব লাহেব যুদ্ধ করিতে আরম্ভ করিলে নার জাফির থাঁ পূর্বকৃত নিয়ম অন্সারে আপন অধীন रेमना मन नेहेश नवारत्व शक्य छाति कविन । नवाव 😻 ভাষার অবশিষ্ট দৈন্য ইয়া দেখিয়া, দকলে নিরাশ হুইয়া রণে ভল দিয়া পলাইল। পরে ক্লাইব **সাহের** ঐর জাজিরকে আদর পূর্ত্তক গুহণ করিয়া নবাবের शाम नियुक्त कतिया भूवनिमावाम नगाव लहेया शाम। অনুদিন পরে পলাতক নবাব্ধর। পড়িয়া এত ছউল। **७३ श्रुकारत है प्राक्रामांक छल ७ वल माहा वम्राम्टनंड** রাজাকে পদচাত করিয়া আপেন অনুগত এক কনকে শেট পদে নিযুক্ত করিল। এই নূতন নধাৰ উপভাজ-লোকদের অনুমতি ছাড়া কিছু করিতে পাত্র না, আরু मञ्जूषि मिडे नवार नाममाज नतार, है शाक्रास्थातन्त्री (मर्लिज लोगन करत्।

#### ১१ कमालाभ।

শরমেশর দল্যাদের স্থি করিবার সময়ে তাহাদিগকে বিশেষ ২ কর্মোর জনো বিশেষ ২ আল দিরাছেন। তিনি ভাহাদিগকে গমন করিবার জনো পা ও কোন দুবা পরিবার জনো হাত ও দেখিবার কন্যে চকু, ও শনিবার কনো কান এবং কথা কহিবার জনো কিছু! দিয়াছেন!

অভএর বেং কর্মের নিমিত্তে যেং অর দিয়াছেন, সেইং श्रीत्म (त्रहेश कार्य) छेशयुक्त ब्राश मझद कर्य कर्छिया। আমিরা দিখারের দাস, এই নিমিত্তে যে কর্মেতে ও যে ইখাতে তিনি তৃষ্ট ছন এমন কর্মানিতা করা এব-অমন কথা নিতা কছা আমাদের উচিত হয়। প্রমেশ্র আপেনি ধর্মময় ও পবিত্র, এই নিমিন্তে ধর্ম কর্মেতে পরিত্র কথাতে ভাঁহার সম্বোষ। হে প্রিয় বালক ভোমাদের মুধহুটতে কথন মন্দ অপবিত কথা বাহিও मः इडेक ; काहारकछ वालि पिछ मः; धम, अर्माशृक्षरः হলে, ঠে কেছ আপন ভাইকে পাগল বলে, যে बदकाधित (राधा, अने निमास धानि (मध्या वेशरहर সাক্ষাতে বড় পাপ, আর যে ব্যক্তি গালি দেয়, টে ভাঁহার কাছে শান্তি পাইবে, ইহা জানিবা। ভোমাদের মধ্যে অনেক অভি মন্দ গালি চলিত আছে ও ভোমর দিনে হ কৰে যাল কথা কৰিতে পাইতেছা সাব্ধান অনা লোক এমন মাদ কগা কহিলে ভোমরা ভাছাদেব মত করিও না৷ সাবিধান ছও, কেননা যে ব্যক্তি মন্দ কথা কছে, সে আপনি মন্দ, যে ব্যক্তি কুৎসিত কথা কছে ভাষারি মন ভেমনি কুৎলিত। আমাদের পুভূষীও शुक्रिक सद्देश कहि ७, वृक्षे लाक नाराटक कन विका করিত, কত গালি দিত, তাঁহাকে ভত্তপ্ত ও মাতাল बनिष, उशांति जिनि काहारता निमा कथन करतन नार কৰৰ গালি দেন ৰাই, ভাঁছার মুধছইতে কৰৰ অপৰিত কথা বাহিত হঁয় নাই। ভোমরাও ভাঁহার ভুলা হও।

আরে এক কথা বলি। ত্রী পুরুষের পালের যে ভাব ও বে কর্ম এই বিষয়ের কথা ভোমরা কথন মুথে উচ্চা-রণ করিও না, কেননা ভাহাতে অনেক অমঙ্গল হর; ভাহাতে মন অন্থির ও অপবিত্র হন, এবৎ নানা কুভাবনা জন্মে, এবং অনায়াশে কুক্ম করিবার ইচ্ছাও হয়। মন্দ গীত কথন গান করিও না, ভাহাতে অবশা পাপ হয়, এবং অনা লোককে এমন গাঁচ গাইতে দেনিলো ভোমরা কানে আঙ্গুল দিয়া পলাও। অবশো বলি, সর্মদে মনেহ ভাবনা কর, ইপার আমার কয়া প্রনিতে-ছেন এলং আমে যদি কোন মন্দ কথা বলি, ভবে তিনি আমার প্রতি অসন্ধৃতি হইবেন।

#### १ महस्राता शुर्यम छाता।

কলিবাতা কইতে প্রায় ১০০০ ফোশ পশ্চিমে অরবিয়া
নামে এক দেশ, আরু সেইখানে মেঞা নামক এক নগর
আছে। তথায় যার খাঁইের জন্মের ও৬৯ বংশর পরে
সহমাদের জন্ম কইল। ভাহার পিতার নাম অবদালা
ও পিতামহের নাম আনদুল মতালের। এই আবদ্দল
মতালেবের ১০পুত্র ও কনা। জনিয়াছিল, ও ভাহার
বয়স ১১০ বংশর হইয়াছিল। তাহার পুত্র আবদালা
আমিনা নামে এক দ্বাকে বিবাহ করিয়াছিল, কিন্তু
মহন্তর ভিন্ন ভাহাদের অনা কোন শ্বান হয় নাই।
পরে অনু সংক্রের মধ্যে মহন্তাদের পিতা ও মাতা ও

বিভান্নহ মরিরা গেল, আর মহম্ম**র ঐ সমরে শির হও**-য়াতে ভাহার এড়া গকল ভাহার পিভার ও পিভায়তেও अब-आश्रेनारम्ब प्राथा विचान कतिया महेल, प्रश्यमरक **एक्टम भाँउठी छेडे अ अक मानी मिम। प्रश्यामित यस** শুদ্ধা, সকলের মধ্যে শ্রেষ্ঠ আব্তালের নামে এক জন ছিল। এই ব্যক্তি পিড। মরিলে পর মহম্মদের রক্ষর ও প্রতিশালক ছইল। মহমাদের ২৫ বৎসর বয়স ছইলে সে কাদিদা লামুী এক ধনবভী বিধবার দাশ: **ক্ষেত্র করিতে লাগিল, আরু দেট বিধবা ভাছাকে বাণি**জ ৰুৱা সঙ্গে দিয়। বাণিকা করিবার জনো স্থানেং পাঠাইত পরে যে কিছু লভা হইত, তাহা মহম্মদ আলিয়া আপেন কলীকে দিত। অল্ল তৎসর পরে কাদিদা ভাছার প্রতি অতি সম্ভট হট্যা তাহাকে বিবাহ করিল। মহমান কাদি-मात्र श्रामी ७ ठाशांत्र भरतत चिधिकाती शहरमंख वालिका স্থাড়িল না. আর সে দেশদেশান্তর ভুমণ করিবার मद्रारं नामा (मार्कित मश्चि (मधा ও जानाश क्रिन এবং নানা দেশের নান। ধর্ম জ্ঞাত ছইল। অপর रम भरतर निरवहना कतिल, शृधिवीर यस धर्म चारह দক্ষ মিখ্যা দেখা যাইতেছে, অতএব আমি 🖣 দক্ষ ধর্মের ভুল ড্রান্তি প্রকাশ করিয়া নতন এক ধর্ম স্থাপন করিব। এমত ভির করিয়া সে হরে ফিরিয়া আসিয়া বাণিটা ত্যান করিয়াবনে গেল; আর সেই क्षांत्व कारनक मिन निर्जनशास धाकित्व शह चाह ताह धालन लहिबादाह निकटि चालिया बलिय, बरनह प्राथा शादीवन बारम बरू वर्शीय मृत्र चामारक रावा मिया। इचाइत्र धर्म প्रकार कदिएक चारमम कदिराएक्स, खन्दक चामात्र कथा मान, शत्रामध्य कर, जान चामि ভাঁহার প্রেরিভ। ভাহার অন্তর্ক লোক ভাহার কথাকে প্রথমে সন্দেহ করিল,পরে সে ডিন বৎসর পর্যান্ত ভাছা-नितरक छेशरमन मिरन ए चन्रदाध ए चन्रयांत कविरन, অবশেষে ভাহার ক্রী কাদিলা ও কাহার দালী কেউদ ও আবৃতালেবের পুত্র জালি ও মহম্মদের গুড়া আবৃবেকর ভাছার শিষা হটল। এবপ আৰুবেকর অতি ধনবান ও ভদুলোক ছওয়াতে অলুদিনের মধ্যে আরও ১০ জন মেন্তানিবানী বিশিষ্ট লোক মহম্পের মত অবলম্বন করিল। ইহার পর মহ্মদ কোন দিনে **আপনার ৪**০ জন কুটুম্বকে নিমন্ত্ৰকরিয়া ভোজনের সময়ে ভাছাদিলকে বলিল, হে মিতা সকল, ভোমরা যদি উছকালে ধন পরকালে দুখ চাহ, তবে আমার কথা মানিয়া লভ্য ধর্ম গ্রাহ্য কর, আনার শিষ্য হাও। এই কথা গুনিয়া সকলে চুপ করিয়া থাকিল। পরে মহ্মদ উলৈঃমুরে ডাকিয়া ৰলিশ, আমায় ৰূপক্ষ কে হউবে : ভাহাতে ভাহায় শিষ্য আলি বলিল, ছে গুরো, আমিট ডোমার স্থক্ষ,যে কেইন ভোমার শতুহয়, আমি তাহার দাঁত ভালিব ও ভাহার চকু উপড়াইব, ও ভাহার ঠেল ডালিয়া দিব, ও ভাহান্ত উদর চিরিয়াকেলিব, ছেওারো, আমি ভোমার **সহায়**। পরে আলির পিডা মহম্মদকে বলিল, আলি বালক মাত্র ৰে যাহা বৰে বলুক, কিন্তু ভূমি আর কেন মি**খ্যা** চে**উ**া

করিবে না। মহ্মান বলিল, যদি সূর্য আমার দক্ষিণ ও করেবে না। মহ্মান বলিল, যদি সূর্য আমার দক্ষিণ ও করে, তবু আমার বামপার্থে দাঁড়াইরা আমাকে নিবারণ করে, তবু আমি মানিব না। মহ্মান দশ বৎসর পর্যাপ্ত করেবে পর করিবে পর করেবে পরার করেবে পরা করেবে পরার করেবে পরা করেবে পরাম্প্রকরিল। মহ্মান ইহা ডান্যা মেরা নগর হইতে পলাইরা মেদিনা করেবে পেরা।

#### \_\_\_\_\_\_ ১৯ নহম্মর। দ্বিতীয় ভাগ।

মেদিনা নগর মেগা নগর হইতে প্রায় ১০০ ক্রোপ উত্তরে, আরু সেইখানকার অনেক পোক পূর্বেতে মেগা নগরে গিরা মহ্মদের উপদেশ খনিয়া গ্রাহা করিয়া ভাহার শিষা হইয়াছিল। এই নিনিত্তে তাহারা আপন নগরে মহ্মদের আগমনের সংবাদ পাইয়া ভাহার কারে মহ্মদের আগমনের সংবাদ পাইয়া ভাহার কারে মেগা অতি আফ্রাদ পূর্বেক তাহাকে গ্রাহা করিল, আরু মেগা নগরে ভাহার যত শিষা হইয়াছিল, ভাহা-কান্ত ক্রেম্ আলিয়া তাহার সহিত মিলিল। এই শিষা লক্ষদে মহ্মদকে পূরোহিত ওরাজা ও ইপরের দূত প্রায় কান করিত। এবং মহ্মদ ভাহারের নাম মন্ত্রে কিয়া মুন্দমান অর্থাৎ ইপরতক্ত রাখিল। ইহার মধ্যে শিষ্য-

ৰেয় সংখ্যা এত বাড়িয়াছিল, বে তাহাচনর মধ্যে প্রাষ্ট্ ১৫০০ অব্রধারী পুরুষ ছিল। ইহা দেখিয়া মহমদ **অব্র**-সলছারা আপেন শতু দমন ও আপেন ধর্ম রক্ষা ও বুৰি করিতে আরম্ভ করিল। কোন সময়ে দে ভনিতে পা**ইল**, তাহার পতু আবুদফীয়ান নামক মেস্তা নগরের অসাক বাণিজাদুবোর সহিত ১০০০ উট লইয়া মেদিনা নগরের निकरे पिया याहेटहरू । छाहाटड महस्रप ७१७ टेमना लहेशा थे ১००० उठे धित्रदात अत्मा चार्टि वमाहेटक (तमा. কি**ত্ত** আৰুষ্ফীয়ান ইয়া জ্ঞাত হট্যা মেকার **লোককি** গকে সপ্ৰাদ্ দিল, ভাষাতে মেস্তার লোকের' ভাষাত্র महाराष्ठ्री कविनात जटना २०० कन रेमना शाहाहेवा विना। ইংবা গিয়া মুসলমানদের সহিত যুক্ত করিল। কিন্তু यह युक्तरण मृत्रनभारत्व। अञ्च नः शाक इतेल ९ क्रेड़ी र्हेन। अत् जाहाता के छैठे मकन धतिया स्विभि नगरत লটয়া গেল, আবুনফীয়ান আপেন অবলিইট দৈন্যকৈ শইরা মে**রা**তে গেল। ইহার পরে মুসলমানেরা বা**র ২**় গিয়া মেক্স নগরের মহাজনদিগকে দুংখাদতে ও ভাছা-দের বাণিকা আটক করিতে লাগিল, তাহাতে আবৃদ-कौगान चिंचित्र तात कतिया प्रमुद्रान ७ ठाशांत मनस्कः नभूल नके कतिवात जना ७००० रेमना नहेवा (अपिना নগর আক্রমণ করিতে গেল। ইহা শুনিয়া মহ্মাদ কেবল **৯৫০ জন লকে লইয়া মেদিনা নগর ছাড়ি**য়া শল্পের শহিত যুদ্ধ করিতে গেল। ভাছাতে আহুদ নামক এক পৰতে দুই দল মিলিলে ছোর যুত হইল, কিন্তু এই

বুঁৰেভে মহ্মদ ও ভাহার দল পরার হইর। মেদিনা নগরে লভাইল। এই নগর প্রাচীর বেন্ডিভ এই জন্যে পর্ত্তা ভাষা অধিকার করিতে আপনাকে অক্ষম দেখিয়া জ্ঞান্তরে ফিরিয়া গেল। কিন্তু ভাছার পর বংশরে वायुनकोशान ५०००० रेमन। लहेशा (प्रतिना नगद्र प्रप्रन कब्रियात करना श्रमान कविल। अ दात्र प्रश्मान श्रम ছৎসরের বিপদ করে। করিয়া ও শত্দের সংখ্যা मिकिए युक्त कतियात करना नगत श्हेरछ वाश्तिना **ইইয়া তাহা আরও শক্ত করিবার জন্যে চারিদিকে** পত্থাই করিতে আজা দিল। তাহাতে মেক্লার লো- किता चारनक निन नर्गादाद असूर्य छाउँनि कदिया थाकिन, কিছ নগরস্লোকদের কিছু হিৎদাকরিতে পারিল না। অনশেষে তাছাদের পরস্লর বিবাদ হটল, ও এক ৰড়েতে ভাহাদের ভাষু নকল পড়িয়া গেল, ভাহাতে ভাহার। বিরক্ত হটয়া ফিরিয়া গেল। মহমদ ভাহাদের হাত হইতে রকাপাইয়া ক্রমেং মেনিনা নগরের নিক-छेड् (२भ अधिकाद आद (मङ्गानकाद मकन श्रुकानि-গকে বলৈতে মুসলমান করিল। সাত্রৎস্তুমেদিনা নগরে বাদ করিশে পর ভাহার পরাক্রমের অভিশর বৃদ্ধি হইল, ভাহাতে সে ১০০০০ দৈনালইয়া গ্লেক্তা নগরে গিয়া, ভাহা অনায়াদে অধিকার করিয়া দেই, শ্রানেও দেবপ্রতিমা সকল ভালিয়া আপন ধর্ম স্থাপর कतिन। পরে বলে হউক, ছলে হউক, অর্বিয়ানেশ বি-মালি সকল লোককে ক্লেমেং অধীন করিয়া আপন ধর্ম

গ্রাহা क्रम्नाहेन। अहे नकल (मण क्रम कतिरमे उ ठाइन्द्र মানস পূর্ণ হয় নাই; সে সমস্ত পৃথিবী আপন ধর্মের অধীন করিতে চাহিল। কিন্তু অনা দেশ অধিকার করিবার ভনো যে সময়ে দৈনা প্রস্তুত করিল, দেই সময়ে তাছার ছর হইশ, আর ভাহার ১৫ দিন পরে দে আপন স্ত্রী আয়েলার কোলে মন্তক নোরাইয়া প্রাণ্ডাার করিল। দেই সময়ে ভাষার বয়ন ৬৩ বৎসর ছিল। ভাষার মৃত্যুর সন্বাদ উনিয়া মেদিনার লোকের: অভিশয় শো-कार्च इहेन, चात्र (कहर चित्रिशंत कतिशा तलिन, विक्रि আখাদের গুরু তিনি কি নরিবেন, তিনি মরেন না। এবং অঘার নামে ভাহার এক জন শিষা ঋড়ু খুলিয়া বালিল, বে কেছ বলে সহমাদ সরিয়াছেন, ভাহার সম্ভক কাটিব। পরে বৃদ্ধ আবুষেকর বলিল,ছে প্রিয় লোক এমন অনুচিত क्ति कर, प्ररूपम हित्रकोती नर, किस्रु य देशेदात स्वयक তিনি ছিলেন, তিনিই চিরজীনী, আর মহমাধ ও কথন বলেন নাই, যে ভাছার মৃত্যু হইবে না। এই कंथा छनिया লোকেরা কিছু স্থির হট্যা মহন্দ্র দেহ লট্যা করু নিল। পরে আসুবেকর তাহার পনে নিযুক্ত হই।।

মহন্দরে ধর্ম মনুব্যক্রিত, তাহার কোন সন্দেহ নাই, এবং ভাহাতে জাগের পথ পাওরা বার না, ; কোনা মহন্দ কেবল এই কথা বলে, সংকল্প করিলে লগে বাওরা বায়, কিন্তু পাপহইতে মনুষ্য কিসেতে উদ্ধার পায় ও পাপের প্রার্শিন্ত কিনে হয়, এ কথা বিভুই বলে নাই।

# ং ২০ ধর্মবিষয়ক নানা হিচ্চউপদেশ-। 🦠

ইখারেতে সমপুর্ন ভর্মা রাধ—আপন বৃহিত্তে ভর্মা 🌣 बाबिड ना । <del>ছুট লোক ইখরের শাপগুড়—ধার্মিকেরা তাঁহার</del> - **ংক্লাগ**ি প্রাপ্ত। जिल्हा शासिकत्वत भागन करहम- मुक्त लाकत्वत महावि ंशकी हैं हैं। আলস ব্যক্তির ধন উড়িয়া বার—শুমি ব্যক্তির বিবর ्रकृषि श्राप्त । the state of the s দ্যাজে বালি ও চন্দুতে ধ্যাবেমন—আপন কর্ত্তার প্রতি ্জনসন্মাগও ডেমন। मृक्टबब नात्क वर व्यमन-निर्मका जीव लोणका रक्षमन। क्ष्मच अन राग्न क्षिरंगंध धनी इत्र-त्क्च धन दाशिरंग 'ও নিৰ্ধন হয়। 🥣 মিশ্ল্যাবাদি লোক পরমেশ্বরের ঘূণিক—সভাবাদি ব্যক্তি क्ष**ीरावर्श्वत्र।** । १८८७ । १८ शहरक **कृष्क्"क**हिरम शार्भा हड़ा<del>-लह</del>्रक्षिद्र "शकि वहा। র**ুক্রিলে পুরাহম।** 👙 🔞 🖫 👍 হান্তের শুমেতে কাড--মুধে বক্লিবে কিছু হয় মা। 🦠 আই কারিবের নর্যবাদ হয়— মনু লোক কলা পারঞ थक्रमानि गिष्टामान स्रोक स्त्र-- वृत्तिक्रको कार्यम ভনু লোক বিবাদ করে না—মূর্খলোক বিবাদক্ষরণে ক্রড

আমি ত্তর্গন্ত, আমার পাপ নাই, এমন কথা কে কহিছে পারে ?

হলে প্রাপ্ত আন প্রথমে মিন্টা লাগে,শেষে বড় ভিজ্ঞ হয়। যে ব্যক্তি মারাপকে শাপ দেয়, ভাহার কশ্য কুশ্য পাইবে না।

্রিপ্রিত **হইলে প্রতিহিৎ**সা করিও না, আপন দুর্থ ইপারকে জানাও, তিনি বিচার করিবেন।

ইপারের বি**রুত্তে** কোন প্রামর্শ থাটে না।

ঈশরকে ভর করিলে ও মৃত্যু হইলে, ধন ও সমুন ও দীর্ঘায় হয়।

ইখরের আজা যে বাজি কুছ্ করে, ভাহার ভন্নাই পাপমাত্র।

# २) महाद्वांनी दिक्षेत्रिया।

विक्छाङ्का । विक्छाङ्गाङ ९ ३४३५ वा ९ ३११७ नात्व अध बुर्ग कतिलान। छोरात अक वर्गत शह वरे कनात পিতা মরিল ও ভাহার কাভদিন পরে মহারাজা জর্জবিনি ভাহার শুড়া তাঁহারও মৃত্যু হইল।পরে মৃতরাজার পুত্র চতুর্ঘত জামে থাতে হট্যারাজনিৎহাসনে বলিলেন विक्षेत्रिक्ष हाति वश्मत वस्का रहेल भन्न विमा खन्नाम ক্রিতে আরম্ভ ক্রিলেন, ও তাহাকে শিক্ষা দানাখে ভাঁহার নিকটে কএক কর উভ্য শিক্ষক নিযুক্ত হটল: আর তিনি শিক্ষাতে অধিক মনোযোগ করিতেন,এপুযুক্ত তিনি অতি শীমু নানা বিদ্যাতে নিপুণা হইয়া উঠিলেন তাঁহার যথন ৮ বংসর বয়স,তথন তাঁহার আর এক জল এড়ার মৃত্যু হইল, এব**৭ ডাহার ৩বৎসর পরে চতুর্য** ভ वाकः मविद्यान। जाहारच वे वालिकाव व्यवसिधे गुण ठेजूर्थ উই नियाप शांक इरेबा ताका रहेलन। हे९ ১৮৩° লালে ভাঁহারও মৃত্যু হয়, ভাহাতে রাজব^শের মধোও विक्षेत्रिया अकाकिनी इधशास्त्र छिनि वाक्रिनिश्निनर অভিকারিণী হইলেন। তথন ভাছার বয়স ১৮ বঁৎসর ছিল। ভারার পর বংশরে এর্থাং ই৭ ১৮ ৩৮ বাণ ১২৪৫ সালে এক जन প্রধান ধর্মাধাক লভননগরের প্রধান ভজনালয়ের মধ্যে অসংখ্য লোকের দাকাতে তাঁ-হাকে অভিষেক করিবা ও ভাঁহার মন্তকে রাজমূকুট দিয়া কাঁহাকে মহারাণী পদে নিযুক্ত করিল। তাহার অল নিন পরে মহারাণী উত্তম রাজবংশকাত এক যূবপুরু-লকে সনোনীত করিয়া বিবাহ করিলেন; এই পুরুষের

নাম আৰু ট, আর ভাহাহইতে রাণার সমৃতি এক কন্যা আর এক পুত্র ক্রিয়াছে। রাণী স্পারবারে অভি ৰুহ্থ ও সুন্দর এক অ**উ**ালিকাতে বাস করেন ও তাহার<sup>া</sup> कार्ष्ट्र अन^ अ) मान मानी नियुक्त आरहः; ठाँहात अनुप्रक्रिं না পাইলে কেছ ভাছার সঙ্গে সাক্ষাৎ করিতে পারে না, কিন্তু তিনি প্রায় প্রতিদিন স্বামির লহিত আপন রুখে চড়িয়া বালু লেবন করিতে বাহিয়ে যান, ভাহাতে দকল লোক ভাহাকে দেখিতে পায়। জগতের মধ্যে প্রায় ভাহার ন্যায় সম্ভান্তা ব্রালোক আরু নাই, কিন্তু এয়ন গৌরব প্রাপ্তা হইলেও ডিনি আপন ইচ্ছাতে রাজা চালাইতে পারেন না, অন্য দামান্য লোক দকল যেমন ব্যবস্থার অধীন, তেমন মহারাণীও ব্যবস্থার অধীন, ব্যবস্থার বিরুদ্ধে ভিনি কিছু মাত্র করিতে পারেন না; আপনার এক জন দাসকে প্রহার করিবার কিয়া কারা-গারে বন্ধ করিবার আজাও তিনি দিতে পারেন না ৰে দেশে ব্যবস্থা সকলের মান্য হয় ও রাজা প্রজা দুংবী ধনী সকলে ভাছার অধীন হইয়া খাকে, সেই দেশের य्वन इत्।

### २२ পृथिवीत दिङ्गा ।

পৃথিবী দুই মহাদাশে বিভক্ত। একের নাম পুরাতন নহাদাপ, অন্যের নাম নৃতন মহাদাপ।পুরাতন মহাদাশে পূর্বাপর অনুষ্ঠানের বাস, এই নিমিত্তে তাহার নাম পুরাতন। নৃত্তন মহাদাশ পুরমে লোকশ্না ছিল, পরে পুরাতম মহাধাপের লোকেরা বিশেষতঃ ইউরোগ দেশের লোকেরা তাহার অনুসন্ধান পাইরা মহাসাগর শার হইরা তথার নূতন বসতি করিল, তাহাতে ভাষার নীম মৃতন্মহাধীপ হইল।

🧦 প্রাতন মহাদীপ ভিন ভাগে বিভক্ত। প্রথম ভাগেত নাম আশিয়া; দিতীয় ভাগের নাম ইউরোপ: তৃতীঃ **ভা**রের নাম আফুিকা। ন্তনমহা**য়ীপের নাম আমে**রিক: 🗁 সেই দুই মহাদ্বীপ মহালাগরে বেটিভ+ এই মহালাগর भौक ভাগে विভক्ত। প্রথম ভাগের নাম আটলাণ্টি লাখার, ভাহা পুরাভন মহায়ীপের পশ্চিমে। ভিভীয়ের নমে পার্কিক গাগর তাহা পুরাতন মহায়ীপের পূর্জনি: এই সাগরের মধ্যে অসংখ্য ক্রু ছীপ আছে। তৃতীয়ের নাম হিন্দু লাগ্য, ভাদা পুরাতন মহাছীপের দক্ষিণ পুরুমিরে। চতুর্ব ভাবের নাম উত্তর হিম্পারর, জা দুর মহাদ্রীপের উত্তর্দিনে: এই সাগতে এত হিম হয়,ে সেধানে জাহাজের গতায়াত প্রায় হর না।পঞ্ম সাগ-কের নাম দক্ষিণ হিম্মাণার, তাহা প্রথম উক্ত ডিন লাগে অর্থাৎ আটলান্টিক ও পাদিফিক ও হিন্দু সাগরে? দক্ষিণদিগে; নেশানে ও হিমের প্রবলতা প্রযুক্ত জাছাতের প্সন্গেমন হ্য না।

-- 430-

# ·

#### ় ২৩ শিত্ৰলাভ।

ে এক কাক কছেপ ইক্ষুর এবও হরিও **ইহা**র। শরর্ত মিলত: করিয়া সুথেতে বাস করে। পরে এক দিবস কাত্প ব্যাধের ভরে ভীত হইয়া অন্য পুন্ধবিনীতে চলিল: তা-ছাতে কাক হরিণ ইন্মুর তাহাব তিন মিত্র বলিল, তুমি ল্লজন্ত, ভোমার স্থলে গমন উচিত নছে। কিন্তু কচ্চুপ ভাহাদের কথা উনিল না। পরে পথের মধ্যে কোন ব্যায় ঐ কচ্ছপকে ধরিয়া ধনুতে বান্ধিয়া আপন যারে চলিল। অন্তর হরিণ ও কাক ও ইন্মুর অভিশ্য দঃখিত হইরা ভাছার পশ্চাম গেল; এবং ইন্মুর বিবেচনা করিয়া ৰলিল, আহাঃ ঐ কচ্ছপ কি আমাদের মিতা নয়, ভবে এই ভারা বিপদকালেতে তাহার উদার করা আমাদের উচিত হয়; আমার পরামর্শ ওন, ছরিণ জলের নিকটে গিয়া আপনাকে মৃভের নায়ে দেথাউক্ কাক ভাছার উপরে বসিয়া চোঁট দিয়া চোকরাউক ্তবে নিশ্চয এই वाधि कक्ष्मटक (कान शांदन ताथिश) मृत्रमा १ टमत (लाएक শীঘু আদিবে; ভাষার পর আমি নিয়া দাঁতেতে কচ্ছপের বন্ধন কাটিন, ব্যাধ নিকটে আউলে কোম্বা দুই জন প্লাইবা। অনন্তর হরিণ ও কাক শীখু গিয়া সেই রূপ করিকে পর ঐ ব্যাধ দূরে থাকিয়া ঐ ছয়িণকে মন্তের ন্যায় পড়িয়া থাকিতে দেখিল ভাছাতে নে কচ্চপের শহিত আপন ধনুকে এক পাছতলাতে রাথিয়া হরিনের নিকটে গেল। ইহার মধ্যে ইন্মুর কচ্চপের বন্ধন কাঢ়িলে त्म काकृत उरक्रवार जल श्रातम कविन: बन् वे र्ति (महे ताधिक विकार वामिष्ठ (मिथ्या पेरिया পলাইন। অভএব মিত্রলাভ করা ভাল, কেননা বিপদ কালে মিত্র থাকিলে বড় উপকার দর্শে।

कांन कांक (पाकामश्रेष्ठ अक शोध हुद्धि कद्विया উড়িয়া পিয়া বনের মধ্যে এক উচ্চ গাছে বলিল। সেই গাছতলাতে ক্ষিত এক শীয়াৰ ছিল। কাককে বেৰিয়: में भीग्राम प्रत्य बिनन, खाहाः थे शीठा यनि खात्रि ধাইতে পাইভান, তবে বড় ভাল হইড, কেননা পেটের ছালাতে মরিভেছি। পরে দে ধৃর্ছ শীয়াল কাকের প্রতি मुथ किंद्रोरेका छाठि पृष्ठात्य बलिएक लाजिल ७ ৫ প্রিয় মহাশয়, আপনকাকে দেখিতে বড় আহলাদিত আছি। আহাঃ আপনি কেমন সুন্দর পঞ্চী। নে লো: কেরা আপনকার নিন্দা করিয়া বলে, কাকের আকার ভাশ নর ওভাছার বর্ণ কুৎসিত ও মলিন,ভাছারা অতি দুক্ট গুঅফান, আহাঃ মরি ২ আপনকার রূপ লাবণা (দ-থিয়া প্রায় হতজান হউতেছি, আপনকার শ্যামবর্ক (नयद्र न्तर्गद्र कित्रल किया यनप्रम कित्रिकाक् । ज कश খুৰিয়া কাৰু মহাশয় অতি আহলানিত হুইয়া পাধা হা-ড়িতেও বুক ফ্লাইতে লাগিল। পরে শীরাল আরবার ভাষার প্রতি ধারে ২ বলিতে লাগিল, আপনকার ক্সমধের সুমধুর গান যদি ওলিতে পাইডাম, তবে আমার ছমু সফল হইড: লোকেরা বলে, আপনকার গান শুনিঙে ভাল লাগে না, হে মহাশর, ভাহাদের কথা কি মানিব; আপনি আমার এই সম্বেহটী ছুচাউন,ভবে আহি দর্মস্থানে আপন্কার দুখাতি প্রচার করিব। ফাক শীয়ালের এই সকল কথাতে ভুলিয়া মনে করিল, শীয়াল সরল হইয়া কথা কহিছেছে; ভাষাতে লে ঠোঁট থুলিয়া কা করিলে পীচা পড়িয়া গোল। পরে শীয়াল দৌ-ড়িয়া গিয়া ভাষা ধরিয়া ভুলিয়া হাসিয়া গ্রাল করিল, এসং কাক অভিশয় লক্ষা পাইয়া বলিল, আমি পাগল শীয়ালের স্তুতিবাদে মন দিলাম কেন।

হে প্রিয় বাশক, ভোমরা কাহারে। দৰ স্তুভি করিও

ন:, এবং কেহ ভোমাদের স্তুব হাতি করিলে ভাহাতে

মন দিও না, কেননা যাহারা হোমাদের স্তুব স্তুভি করে,

হাহারা ভোমাদের মঙ্গল চেফা না করিয়া কেবল
আপনাদের লাভ চেফা করে।

### : ৫ विनाज।

থে সাছেবের। এই দেশের কর্ত্তা আছে, ভাহার। নকলে
বিলাত হইতে আদিয়াছে। নে বিলাতদেশ কোথা ও
কত দূর ও কেমন তাহা কিঞ্জিৎ বলি। নাহেবেরা আপন
দেশকে বিলাত বলে না, ভাহারা ভাহাকে ইণ্লপ্ত
কিয়া বিটেন বলে। সেই দেশ বফদেশের উন্তর পশ্চিমদিগে, আর ভথার যাইতে দুই গগ্র আছে। সমুদু পথ ও
ভল পথ। সমুদু পথ অতি দূর প্রায় ৮০০০ কোশ। বে
নকল জাহাজ ইণ্লপ্ত হইতে কলিকাতা নগরে আইনে
আর সেথানে কিরিয়া যায়, দে নকল এই পথে যাতাসাত করে: এই পথের নিয়ম এই, কলিকাভাহইতে লক্ষ

कृतिहा श्रमांगांशत निज्ञा श्रथ्य पृष्ट भाग मक्किन शिक्षित नित्रा यादेख इज्ञ, शद्र जादाच कित्राहेश छेखत्र पृत्य स्मारण चारण क्षा छेखत्र पृत्य स्मारण चारण क्षा छेखत्र पृत्य स्मारण चारण क्षा क्षा अकि क्षा, खादा कित्रण १००० क्षा क्षा अकि क्षा, खादा कित्रण १००० क्षा कि खादा विवत्रण अहे, कित्रण नगद्र शाल्य वाल्य स्मार्थ विवत्रण अहे, कित्रण नगद्र शाल्य वाल्य स्मार्थ शिक्ष कित्रण कित्र कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार कार्य कार्य कार्य कार कार्य का

ইপ্লওদেশের উত্তরে হটলও নামক এক দেশ আছে; এই দুই দেশ সমুদ্ধেতে বেন্ডিত এবপ্তাহাতে যে ছাপ হঃ, ভাহা ৩০০ ক্রোশ লছা এবপ্১০০ ক্রোশ চৌড়া। পুর্রেণে ঐ দুই দেশ পৃথক রাজ্য ছিল, কিন্তু সমুতি এক ব্যক্তি দুইএর শাসন করে। ইপ্লণ্ডের পশ্চিমদিগে জন্ন দৃশে আরু এক দ্বীপ আছে, ভাহার নাম আইর্লন্ড; এই ছাপ জনুমান ১৫০ ক্রোশ লছা ৮০ ক্রোশ চৌড়া, আর ভাহাও মহারাণীর অধীন।

ইপলগুদেশের ভূমি অতি উর্জ্ঞরা, ও সেইখানে বন ও পতিত ভূমি প্রায়নাই, এবপ এই দেশে অসপ্থা সুন্দর প্লাম ও নগর ও অটালিকা আছে; ইপলগুদেশের অ-নেক লোক বাণিক্রা, দ্বারা অতিশর ধনবান হইয়াছে : স্কট্লগুদেশে শীত প্রবল, আর দেইখানে অনেক পর্ক্ত ও পতিত ভূমি ও মাই আছে, এই প্রযুক্ত লোকস্থান ক্রম, এবং তাহাদের ধন ও বড় হয় নাই। তথাকারী আনেক মনুষা ভেড়া ও ছাগল চরাইয়া পর্ত্ত ও মার্টে সাস করে এবং অনেকে মংসাজীবী আছে। আইর্লপ্তদেশ নানা উচ্চ ও ফলবান বৃক্ষেতে আচ্চাদিত অতি উর্ব্বান ভিমিবিশিক্ত দেশ ও তাহাতে নানা প্রকার শস্য উৎপঞ্চ

উক্ত তিব দেশে তিন প্রধান নগর আছে অর্থাই আইল্ডদেশে তুরিন, ফটলগুদেশে এদিনবর্গ, ইংলাগুদেহল স্থাক্ত লগুন নগর। লগুন নগর জগতের মধ্যে প্রধান কিব গণ্য, তাহা কলিকাতা অপেকা ছর ওলে বড়, আঁই সেইথানে কোন থড়ের ঘর নাই, সকল ইউক নির্মিষ্ট প্রানাদ, আর প্রতি ঘরে দুই তিন তলা আছে। লগুন গার সম্দূর্ইতে ৩০ কোশে দুরে থেমসনদীর তীরে হিতা। এই নদীর উপর দিয়া চারি সেতু নির্মিত হইয়াছে ওলাই নদীর উপর দিয়া চারি সেতু নির্মিত হইয়াছে ওলাই নদীর উপর দিয়া আন সূত্র পথ প্রস্তুত করা গিয়াছে। গাই দিয়া সকট ঘোড়া মানুষ দিবারাতি গভারাত করে। এথসর হ হাজার হ বৃহৎ জাহাজ আলিয়া লগুন নগরে গানিজ্য করে।

#### হঙ মুক্তাথেবণ।

মুক্তা অভি মুদ্দর উজ্জ্ব গোলাকার বস্তু, মটর কলাই অংশকা কিছু কুদু। ধনবান লোক প্রায় সকল দেশে অলকারের জন্যে মুক্তার আদর করে; এক মুক্তা কুদু ইটলে ৫০ কিয়া ১০০ টাকাতে পাওয়া যায়, কিন্তু মূহৎ ষ্টলে ভাছার মূল্য ৫০০ কি ১০০০ টাকা ছইতে পারে মুক্তা সমূদ্রের মধ্যে অনুকের ভিতরে জন্মে, এবং একং অনুকের ভিতরে কথন ৫।৬।৮ মুক্তা হয়। লঙ্কালা পের নিকটম্ সমূদ্রেভ অনেক মুক্তা পাওয়া যায়, ভাছা কি প্রকারেশ্যরা যায়, ভাছা বলি তন।

মৃক্তা সমূদ্রের নিজ ধারে পাওয়া যায় না, কুলছইডে ৭ কি 🆫 ক্রোশ দূরে এক চড়া আছে, সে চড়া জলে प्रथ, वर्षे, किन्दु जल शंकीत नरह, अनुप्रान ३৫ कि २० ছাত। ঐ চড়া লক্ষাটাপের শাসনকর্তার অধিকারস্ত্ আর ডিনি বৎসর ২ ভাহা ইজারা দেন; কিন্তু বারে: भाग (महेंथारन कर्ष हरन ना, रकवन हेहल ও देवनार्थ মালে চলে, কেননা সেই দুই মালে সমৃদু কিছু সুদ্ধির: অন্য সময়ে সেই স্থানে চেউ প্রযুক্ত মূক্তা ভোলা অসাধ্য। হৈ অমানের কিছু দিন পুর্বেজন থা লোক সমূদের ভীরে একত হয়,ভাহারা সকলে থাকিবার জনে) বালির উপরে কুড়ির। ছর বান্ধে। কেছ মুক্তা কিনিবার জন্যে, কেছ भूका जूनियांत जाना, त्कर माकान कतियांत जाना, (कर বা কৌতুক দেখিবার জনো বায়। বাহার। মুক্তা ভূলি-ৰার কর্মেতে নিযুক্ত, ভাহার। দুই প্রহর রাজিতে নৌকায় ছড়িরা পাইল তুলিরা চড়ার যায়; দেইখানে ভাহার मूर्वा উर्दाद्व किथिए शूर्ट्स (शाष्ट्र) कथेवर २० किये ৩० (नोका मिर हाति बक्ज रहा। बकर बोकार्ड ५ जन प्राको, २ जन भश्यमं रू, ४० जन में हि! बन ४० जन फूनू ह श्रांक। थे हज़ाद्र निकार दासकोर अक जारांच नवह

कता चार्ट्य। नृयी छेपत इंटरन ने चाराटक कामारनद শব্দ হয়। ভাছা উনিবা মাত্র নকল নৌকার লোকের। नब्द किनिया कार्या चावष्ठ करत । जूबक व्यवीश बाहांद्रा জলে ডুবিয়া মুক্তা তোলে, ভাহার। দকলে একেবারে ভোবে না, পাঁচং জন পালা করিয়া ভ্বে। ভ্বিবার্থ সময়ে ভাছায়া দক্ষিণ হাতে একথান বড় ছুরী,বাম হাডে একটা চুপড়ি লয়, আর শীখু সমূদের তলাতে পৌছিবার কল্যে ভাছার। দুই পা এক তারি পাথরের উপরে দেয়্ সেই পাধর এক রবিতে বাস্তা থাকে, আরু দেই রনি নৌকার লোকের। ধরিয়া **থাকে। সম্পু তলাতেঁ** পৌছিলে পর ডাহার৷ সেই ছুরিডে প্রস্তরাদিতে দ^লঞ্চ বিনুক থূলিয়া বামহাতের ছ্পড়িতে রাথে। ঐ ছূপড়িডে ও এক রদী বাস্ত্র। স্থাকে, আরু নৌকার এক জন তাহার এটি ধরিয়া থাকে। পরে ভুবরু নিখাস ফেলিবার জন্য বগ্ৰ উপরে উচে তথ্ৰ সে ঐ রসী কিছু নড়ায়, ভাহাটেই াকাতে স্থিত ব্যক্তি টের পাইরা চুপড়ি ভূলিয়া মিনুক ষকল নৌকাতে কেলিয়া রাথে। পরে অনা ভূবরু নামে। এট প্রকার দেড় প্রহর পর্যান্ত মৃক্তান্বেষণ কর্ম হটলে পরে আর বার কামানের শব্দ হয়, তাহাতে লকল নৌকার লোক লঙ্গর তুলির। ভীরে যায়। সেইখালে খাহারা দকল বিশ্বক বেড়াতে ছেরা এক বিশেষ স্থাবে ভূমির উপরে ছড়িয়া দের। ভাহাতে রৌদের ভেজ প্রযুক্ত কিবুক শীঘু পচিরা যায়। তাহার পর কিনুক ধ্ৰিয়া ভাহার ভিভরত্ইতে মৃকা ধ্বাইয়। বড় এক

क्षेत्राक्षण प्रार्थ, तारे लाजित कांकांक द्याप्त कांकांत्र क्षेत्र कांकांका कांका कांका कांका वाराता वरे उक्ष करत, श्राकांका कांका कांका कांला वरता मूका क्षेत्र किन्न किन शहित करत, वरे निमिष्ठ कांकार क्षेत्र केंका कांका शहित निमुक्त शांका वे लाखित कांका केंका कांति लंद कांचाता मूका नकल वांचित कांका केंका मूका कि सार्थ, प्रथाम क्ष चार्य, कृष केंका केंका मूका चार्य कर बार्य प्रथाम कांका वांचार केंका होता कांत्र किन्ना के क्षेत्र कांत्र कांका कांला मूका कांका कांग्र किन्ना के क्षेत्रणांक केंशिक्ष वांकांत्रियाल कांका वांग्र किन्ना के क्षेत्रणांक केंशिक्ष वांकांत्रियाल कांका वांग्र किन्ना के क्षेत्रणांक केंशिक्ष वांकांत्रियाल

# २१ । এक यूचिमान कृक्राउत्र कथा।

্রেপ্সায় ৮০০ বৎপর হইল ফুনচনেশে অব্রিনামক এন প্রেক্ত্রপথি জনবান বাজি ছিল। এই ব্যক্তির বড় একটি কুকুর ছিল। কোন দিনে নে আপন কুকুরকে সঙ্গে লইটা এক ছল দিয়া বাইভেছিল; সেই বহনর মধ্যে মাকারি আমক, ভাছার এক জন শার্শ ছাটি বসিরা ভাছাকে ক্যাক্রমণ করিয়া সংহার করিল। পরে ভাছাত্র-দেহকে ক্র গাছের জলাতে পুতিরা হাথিরস্ক্রাকারি চলিয়া গোল। কিন্তু এ কুকুর আপন মৃত কর্তার দেহকে দুই তিন ক্রিম পর্যান্ত ভাগে করিল না। ক্রানেশের ক্র্যান্ত হট্যা কর্মানে আলিয়া আপন ছত কর্তান্ত যে এক জন বন্ধু কিন্দ্র, ভাছার হয়ে গোল। এবং ভেটং ক্রিয়া কাদিন

छार्टा बालुरक र विका कि है जिति माधिम, उ बाल कार्त्यः विशा जे अनुवादक चार्गमात्रः नरक शहरक व धकांक नरकक कतिन। त्यस्य वे गाकि क्कूरवृद्ध अबह काफर्रा वाक्टाइ मिनिया छोटाइडमरम वाहित्इ स्मर्ग क्कृत 'डाशरिक यानत जिल्हात थे नाम डमाटल नरे से तान, जात ताबारन हो। दिशा मार्टि ब्रिश जानन अर्जुह भव (संबाहित्रों मिना; किंद्ध (क ठोड़ारक वध कहितार्र्ड्ड लाहा विकास के कुकूरहरू समाधा लिया। किंदु विमानकी এ কুকুর বৈৰাৎ মাকারির দেখা পাইল। ভাছাতে 🙀 অভি রাগাঞ্জি হইয়া দৌড়িয়া তাহাফে এমন শক 🚁 কামড়াইয়া ধৰিল বে ভাহকে ছাড়ান প্ৰার অসাধা ছিন্তী शरत संकरन चाण्डर्य रवाध कहिया बनिन, व कुङ्कत्र शामका अरनक मिन अवधि अभि, अ अंचि पृष्ट अंदि 💸 নক, ইহার এমত জোধ এই ব্যক্তির প্রতি কেন হইল তাহাতে কেই ২ কহিল, আমরা জানি, আপন মৃত ক্রেছি হতি এই কুকুরের অভিনয় যেত ছিল, আর ইহাক णानि, वे प्राक्रीति मृष्ड चित्रिक शत्रप्रायम् खिला, कि जानि, वे माकादि छाष्ट्रीरक वश कतिहास्त्र। शहर वश हाजान কর্ণোচর হওয়াতে তিনি ঐ কুকুরকে আপনার কাছে अस्तिहेन। क्षेत्रके देनहें कुढ़त जानिया जिन्न मध्य १९४१ लाइक्षेत्र क्रिक्ट कड़िन ना, किंद्र दाजात निकटी दे गर्केट लाक किन डाहात्मक मध्या यथन मानावित्क स्थिएक প্রাইন্ধান বে ভর্জন গর্জন করিয়া ভাহাকে ধরিছে : (विन्यु: रमहे अवस्थ वे स्था अहे शोष्ठि हिम, विवादकर्षायः)

Region Colla Conf. Maile Maile के अधिक योगिक नामिक, करने कार्राहा जरे भारता युक करारेच, त्यमंत्रा कार्यात बिनिव क्षि क्रिकिंग बाक्किक क्षेत्र शाहिरक मिरवन निक्क बोली बोलाविक मेरिक कुनुरवान रेप विचान जिल्हान के जा विवर्त कर्मक महिन्दिक भारत ক্ষাইতে আছে। দিল। এই যুদ্ধ দেখিতে জনেন इसाक बटल रहेंस। वाका मानावितक अरु नाहि श्रीर नहें छ। अनुप्रकि निन, अव । वृङ्कत नुष्ठि इन्त्रा बाहारर क्षिश विश्वास केतिएक भारत, अमन संशाहारन अकरी किलो जाबिएक अस्ति। युष्टत वरे श्रकात वैरमान केरिया अत चाराता क्रूक्तरक जाकातित अनि स्वापिष्ट शिक्ष क्षेत्राटक कुकुर्व आकार्तिक श्राटक वाहि दब्धिए। आरमक अप जाहरतक स्वित्रा ६ भोक्नि, आंत्र नारद कुकूत राष्ट्राद वानिया बामाक बंदर वेदे खेरय मानाहि कं विहर के लिए । व्यवस्थित कुकुन के शिन भेजरम शबु । होन्यकः । अपार्यारवाशी स्विता है। क्रियम कड़िका भनारक श्रीका खेलाकिया प्रियन জালিল। মাকারি এইবুপ্টারিকা, ইবিরানের প লেখালে क त्याक किंग, महानुद कार्य कार्य तार निवाद अहिन ; भारत होता लेकिन केवल काहिए। कार्या विमान

# कि लेको विवेशक मेरिक कथा।

पूरे क्यान मारकेक बरका अरुकर क्रांचा लिकिन आर्व निका शहिरक काशिन कारार मुद्र विक्रि नाच काश्रामित्रस्य (सहित्रा मान र जारिक वक सम्बद्ध विक्रिका बाहेरक लाहे, छाव आस्वर निवातक मूर्व किस कर कर का किएन छाई। हिर्मा कवितक जाडिकमा, किनना अकू जनरक वर्ति वर् उत्द अना अन आविका मृत्यात जामारक छैठा है दु विभिन्त आर्श कोशाम अन्य निर्मे क्षारे न्हें जबरक मात्रिय। अक् अकातः महन विक कर्षिक चालत बारवाड अक बहुत छान निता योहर सि अक यहारक कार्क्ट आनिया ठाइ। इ कार्य विकास स्वी अप्रज शामन (रहन, वे रहम रहापांत अप मुकन वी তেছে, কোমার কিছুই গাকিবে না, ছুমি তাহাট্র काणिया स्तर्भा, वनम जास्यत् कथा विकश्वतामनं वृचित्र श्रमा वनभरक कृतेशका दिनिया मृत्युट संवाहेया हुई क्षिका वित्र । श्रात बाब काशन छाव किनिया निक माद्रिका बहे इनस्टक शास्त्र श्रुद्धिका कामजाहेका न के कहिल, शद्ध कमा अनरमज काफ शिश छारास्कर्व हैं। क्षित्र । कालाज शक्र (स. दशिया, अ दलगढि अवनि वी ले वन्। क्लाकात खाना चालन घरत नहेता यहि । ले नहे वनस्त्र विराह्त इहिन रेश्यम मुख्याम इहेन, रश्यम मुद् गाराब माथा ७ इष्ट्र क्लब्स् एर ब्राजा ७ रव बादा विवास Control of the second s

कार कार्बिक रूप पूर्व हिन्द्रशास्त्रक गढ़ है दिसा। The State of the Property State State of the विक्रित्र विक्रित्र, रकामका महन्ति अक्षेत्र कारि बहेवा स्वायाप महिलाहरा कार्याच बादावा रगहें क्ये के विना शहर त विवासिक विविध् द्वामीय शास्त्र स्व मानिकारक कारा क्षितिक विकास करते वाकि से नामि क्षेत्र हो। ক্ষিত্ৰ আৰু আৰু উপৰে অনাভাবে ভাৰিয়া কেলিল-माइ गिक्षी चात्र वरु क्लंडक तारे अधा बनिन; बाराहण त विश्वानिक नावि छोजिन । चारांत्र भन्न शिंचा बाग्ना चारे ब्रिस्ट हार्वि नहेश चार्वि नदिया दक्षा वादिन चार अस्यानक राटक मिया विज्ञान, अनुस्र छान स्वीत, कार्याः हिर्देशिक्षानम् रहके। कृतिरम् कृष्णान्य ना शाहारः शिकारमें विवान, इन्हें बुक्तिश लाहि नुबक कहिरन छ लिए गारि, अनेत प्रेरत शास्त्र का क्षेत्र तिका कार् क्षिति रेनिन, त्रें वस्त रहेरम स्मान्ति इह रहाधरा क्ष रमान देखें । अध्यक्तिक शहसक वक व व क्रियं रहानं भक्के रहामारमद्वीविश्वा, क्रिएक बाहिरक ना!

२ विणुदारिक विवत्रन

र्थ वस रनाम भागता यात्र कृति, छाडा विमूद्धारवट

अवा स्पिद्धान का उन्दर्भ तान आहे । (काम नहा करें किन किन किन के अपने मार्थ) करेंद्र प्रश्रीकारि दर्शक बान करते। बाहाब बबन नीमा दिस नक्ष्मक्त, निकिमीका निक्रमी, पूर्वनीमा दुक्रपूर्वनक मुक्तिनीयो नेपूर्व । अहे (नटलेड प्रदेश दियालेड, दिखी হাট এই ভিন প্রধান পর্যন্ত প্রেনী আছে বিরুপ নী नंदान अबर्डि इटेंटि चरनक नेपी निर्शत इहेंगा नग्रसुर्ह नेए, वर्षा दिशानवहरेए नना ७ निवृ ७ व्यापूर्ण दिकांद्रमा स्टेट्ड असानमी नर्ममा जाति, चार्वेस्ट कुले कारवड़ी (धार्षीरवड़ी वाहित हहा। (भई नंतल नगीत हैं। বিশেরত গাঁদীনদীর উভয় ভীর অতিউল্লেখ তাছাট্র क्रमोग्रं भमा किश्मम इय्। निकृत्मोत् भूर्वशास्त्र अवस्ति रक प्रकृष्टि चार्ट्स (महेशास शाह कि जान किंदूई इंद्र न, मानूब ७ शाम धारक ना। हिन्दूदारन यह शब्द भारक, काइन्द्र जैशाद निविष् यम ७ (महे वाम बादम् लड बारक, बंबी शांकि बाब प्रस्थि शक्ति हैं छा। है। रिप्रदीरनत मरशा जिन श्रेकात रंगांक बाग करता धवरम अवस्त्रीहा लिकि, छाहोता मन्यादिक सही बुदर् बरन बीम कहिया नहां माहिया बिनना करहे , हाशांत्रें विलाव अधिकारक, लांबाजा श्रक्तिमानुका करत मा, विक वना कृषामा लेका करत, यात वर एकामेत कारक इक्षा (क्षा भूकते शह महित विन (महा जाहारम् मर्था (कर्रमेश भए। जारब ना ७ छाहाना जाकित विक्रा करत मा, काशामा दिन्द्रभारतत व्यानिवानी।

विकासका विक्षा । कावाका और त्यून संग्रिक कर-मानुसाम का कार्य (मरमात साथ विकास के कारक पूर्व के कुलीयका सूनमाना । काकाका किवाबी के क्यांक्टिंट मानुसाम साथ ४०० व्याव कार्याक अपे (मरम क्यांक्ट कविकारक, काकामिनारक वसन वस्त्र ।

ि विक्रशास पूरे जारम विकक रहा, वेबझ-विक्रशास । मिकविक्रशास । वाकविक्रयारमा माम विकास । कार करे हुई जान जाउत्तम करमें ६ (क्वरी विक्र प्रार्कारव विकेक जार्ज, रम मकन ब्राज) वर्षधार्थ कारम श्रीप विकास कर्मान, रमयन मकाव रमभान जार्मिक ब्राक्त कर्मान कर्माव ज्यामात प्राप्तात विक्राक्रणाम

ें विभाग्नाज्यम् । विष्युद्धानस्य प्राहि श्रार्थम् । **स्वर** ्यित्रिशास्यः सर्थायः

े विकास श्रीमण, सार्षित श्रीम कितियाचा श्रीमधीन के बांधा श्रीमण, कर्यात बांधा श्रीम नगत । के मासूनिक श्रीमण, तिबारित मासूनिक श्रीम नगत । के विकास श्रीमण, किर्मात स्था विद्यास नगत । के माति श्रीमाणन केल्याद मात्रि क्षण स्थानक व्यक्त व्यक्त । काव्यक का नित्रक, विक्र कितियाचा नगरहरक व्यक्त स्था । काव्यक व्यक्त, विक्र कितियाचा नगरहरक व्यक्त स्था । काव्यक व्यक्त विक्र स्थान (स्था प्राप्त व्यक्त स्था ।

# क्ष्र (केंग्निंगमी बांक्राक्र ।

निका विश्व अस्ति । याति स्वास्थ्य अस्ति । विश्व विश्व अस्ति । विश्व विश्व अस्ति । विश्व विश्व विश्व अस्ति । विश्व विश्व विश्व विश्व अस्ति । विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य विष

· निराक्ष का रक्षमन् व्यक्ति किन्नू वृत्ति ना र<sup>ार</sup>

- एक । यन, रेम्प्य (मान कानक प्रश्नान कार्य वारांत्र त्योकारवार्श मान: (मान शिता वानिका कार्यक वाराक थन शक्त करते। मूर्वकारण वार्यातः वह वर्ष विक ना पंचित पंचानका प्रमुख वार्यस्त प्राप्त कार्यक

विक्रिकेरिनेटक बोबाक ले उचित्व बनके किया (क ह्या कार्याता एक्टिसिएन, क्टे स्तर्भ घरतक पन भाउ। । किन्न के जुन (गर्म काराज नाठान क सार निक बार हरे। बेरे बार कहा कि सत्तर पकि दिए किया विकास अन्य बीटकी जन जिल्ली होका जनार विकास किया किया का निका प्रवारक रेकिका के दिल क्षेत्र काहा आंधारेया विनम्, वर बनवालः केंद्र गाँउ हरेटर होह। बाधरा छात्र वेहिया गरेंद्र। 🕾 क्षाजनहरू आणा भून इंडेल, क्नम डाहाएन उ ক্রিনিকোটে অধিক লাভ হুটন, ভাহাতে ভাহারা অধিক কাহার প্রস্তুত করিয়া বার চিন্তুত্বানে পাসেইংং मातिम, जारू ज्या २ व्यक्ति भारक होका विशेषा 🔃 জৈ)র অপশিদার হটক। এই সকল অপশিদের সভাত किञ्चानी नरमा भूखंकारम जाहाता करम नारिः করিত, সমৃতি তাহার: দেশ অধিকার করিয়া **প্রজা**ঞে: कारक कर भार, जाह धार वाबिका करत मा। का এখন শত হ তাৎ শিদার হটড়াছে।

भिया। महर धार भिनात इंडेल स्टानंत स्नित वि श्रुकारत इत्र, जाशाता कि नकत्न क्रिका इंडेगाएड प् श्रुका वा, तकत्न ताका भग्ना कार्या मकत्न अवक इंडेगा धान्तात्त्व प्रधार्थेट क्रिका निवृक्त करित ब्रिका अरे २८ कर्न मका कतिया त्रात्त्व मानम करता ब्रोहासित नाम (कार्ट खक्त छ। देखकरेन, अवन खाद्यात्त्र ब्रोहासित नाम (कार्ट खक्त छ। देखकरेन, अवन खाद्यात्त्र আদিকা আৰু কি কাজিটেটু কি কাজেকটয় কিছা দৈৱাৰ তিও কৰ্ম কৰে, ভাছাৰা সকলে এ ২৪ জন ছাৰা কিছু

শিক্ষা আমি তনিরাছি, ইংলাভে এক রাণী আছে।
তার আলপনি রলেন, এই সভার পোকেরং হিন্দুর্বের
ইপরে কর্তৃত্ব করে, তবে ব্যি ইকারা রাণীর অধীন নম্মা ওক্ত। অধীন কৈ কি, রাণী সর্বশ্রেষ্ঠা ও কোরানী ভাহার অধীন, আর কোরানীর ক্যাবধারণ ও তাহার সন্মার নিবারণ করিতে রাণী কর্তৃত্ব নিযুক্ত আর এক সভা আছে, এই সভাতে রাণীর মন্ত্রিরা সলে ও ভাহার নাম কোট অফ কণ্টোল, এই সভার অনুম্ভি ছার্ক হিন্দু স্থানের গ্রন্মর নিযুক্ত হউতে লারে ধা।

শিষ্য। রানার ইচ্ছা হইলে তিনি এই দক্ষা দেরী কোস্লানীর হাতহইতে লইজে পারেন কি না।

अक्र। काकी शादबंग मा, किन्न इंश्लबरमरम **त्व मर्**डि रहा चारह, त्र शादब।

বিষ্যা সে আরবার কি । আর এক সভাং সে কেমন । উরু। আজি ধাকুক, এই মহাসভার কথা অনা কেমন শন্মে বিশ্বতা

### ७) शहें जा

শিষা। ছে এর মহাশার, আমি বার ২ পর্যন্তের কথা। গনিয়াছি, পর্যাত কাহাকে যলে অনুগুহ করিয়া বনুষ্ট গামি পর্যাত কথন দেখি নাই। কাল কি অনুষ্ঠান কৰি নাই নাই কি ন কোণা কাল কালি উপ্তিম নামানে আনক প্ৰতি সাহিছি । কাল আদি কৈ কালি কি হ'ল আশেষা কৰ বহু, কি ব কাল কোলে কি কালি আছিল আশেষা কৰ বহু, কি ব কাল কোলে কি কালি আছিল আছিল। কোল এল বাহিন চালির উপ্তেম মান্তকরা খোলা করিয়া চড়িত্ত কাল, কিছু কাল্ডের ইপ্তেম চড়িতে নোলে আম না করিলে হয় যা, ৫০০০ হাত উচ্চ কে প্রত ভাহাতে চড়িতে প্রাঃ

्रिनियात्र सार्क्यक्षेत्र कार्कात्र (कप्रम रिकार

स्क । शर्वरका पृष्टे श्रकात माकात चार्छ। रकात विक्रं शृक्षात्र शालत नाम लगा, वाशास शर्ववर्धाः व्यक्ति, अभ्रम शर्ववर्धाः काम रकाम श्रवे ह्या काम रकाम शर्वक स्वते प्रीति व्यक्ति स्वते व्यक्ति काम व्यक्ति स्वते व्यक्ति व्यक्ति स्वते व्यक्ति व्यक्ति

खर जारणा, प्रान्य थाकित्व नः त्कन, त्कान ६ णक इष्ट्र हेमाझ देख उ वाणान चारण, यह चारण, नगर चारण, किंद्र खरनक शर्बेट्ड वनप्रात्न वारक। तथ उप बान-त्वनीय गिनित्य वीत्रण्य नामक १६ त्वन वाणान क्रिया खरेनक शर्बेड चारण, किंद्र त्वच श्रम मान् क्रिया खरेनक तथ मृद्ध एम्. चान त्वच वसन श्राम मान् बारक ना, तक्ष्य याच ७ चानक ७ इतिन वाम करन त्व सामक कार्क विकास को गाँउ के उनके मुक्ते हुए। स्वयं के स्वयं क

্রশিষ্টা) বাড়বানল পর্যক্ত কাছাকে বলে।

श्रक्ष । य भर्यं इंट्रेंट क्षांसन हैत्य काश्रक्त वांक-

भिका। "(म (क्रमन )

প্রক্রা এ বাড়বানল পর্যতে র কথা বড় আশ্চর্যা।
প্রন, প্রমণ পর্যতের চূড়াতে বড় এক গভার গর্জ আইক,
নে গর্জ কভ গভার ভাষা বকা যার না। কাছানের মুক্তি
চুইছে বেছন আগুন ও পুরুজি গোলা যাহির হয়, ক্রেমন
নেই গর্জচুইতে ধূম ও আগুনের সহিত বড় ২ পাগর জী
গলিত লোহা বাহির হয় । এই গলিভ গোহানও পাগর
পর্যতের পাথে দিয়া নীচে বহিয়া যায়, আগুন ও পুরু
ও ভন্ম আকাশে উঠে, আর ভন্ম বাভাল ভরে যেদিগে
উড়িকা গিয়া পড়ে, সেইখানকার ভ্রি আনেক ফোল
পর্যতে, আছাদিত হয় । কিন্তু পর্যতেইতে আগি নিয়ঃ
নির্গতি, ছয় না, কথন ১ ১০ কিছা ৩০ বৎসর প্রান্ত গেই
গর্জি এক প্রকার নিধিত হইয়া থাকে, অর্থাৎ আর্জ
নির্গতি, ছয় না, জার যথন ভাগে, ভথন দুই নিম ছিল
প্রতিত ছয় না, জার যথন ভাগে, ভথন দুই নিম ছিল
প্রতিত ছয় না, জার যথন ভাগে, ভথন দুই নিম ছিল
প্রতিত ছয় না, জার যথন ভাগে, ভথন দুই নিম ছিল
প্রতিত ছয় না, জার যথন ভাগে, ভথন দুই নিম ছিল

The later of the part of the p

# ७६ थोडीम्ड

ू गंड औं वर्गा है ए नामिया मनुष्यत्व बर्गा अपू मानिसारहन, अास्य स्मार्ट अहे अमृष्ठ (जानन करके, स क्रिक्रमीक्षेत्रण, अ कथा मृत्या यनिष्ठाचि, अधन के कहा क्रिमनः वस कारा जान । और भुष्कि सानन लाई स्वाप् মীক বেংকেই ঠাই কৈ ভক্তিভাৱে আপৰ মবেহত নিয়ন্ত क्रांत्र । क्यों भन प्रांतरण जाहात्व काह्य क्रतिरण (१३) (सहे दाक्तिकि कोडी इहेस्स । छिमियरमञ् श्रामि बीरनदश व्यक्ति । भरे वास्त्र त्य वन श्रीप **्व क्रिक्री**यो द्**रेज्य**ाली हार् ः काञ्चि १९४ <sub>।</sub> ज्याप्राः विद्धाः शेवनः क्रविटनः वर्शकः नि रा ক্লাছে যাইছে প্ৰাধিবাৰ 💎 🚧 🏃 🚱 क्षेत्रामि पात्रः, बामा विकारकेत्रकर् श्रादनकार्कः, त THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH ু ক্ষানিজ্বতের জ্যোজি: বিবেশক ক্ষান্ত আতি: हर, क्लिक्क कारक ना बर्गक वा बोबन कर बीकि मेर्डिंग

্জামি অনেকের পরিতাবের মূলাক্সপ আপন কর্ বৈতে কাকিড়াছি।

্ আছি ক্রিৎন্ কোকদের পরিতাণ সময় করিব। নিমিন্তে আপন প্রাণ উৎসর্গ করিব।

## ., २०० शर्मभूष्ठक।

রম্পুট্ডের দুই প্রধান ভাগ আছে, ১ আদিভাগ,
ভারত প্রক্রীশ পুরিউর ক্ষের পুরের রচিত ইইরাছিল।
আন্তর্গার ভাষা থার পুরিউর ক্ষের পুরের পরে রচিত।
ইই ভাগকে পুরণভাগ নিয়মের পুন্তর ও নতন নিয়মের পুন্তর বংগ, কেননা পুরিউর ক্ষেত্রর পুরে ইশার মধ্বা
ক্ষেত্র বংগ, কেননা পুরিউর ক্ষেত্রর পুরে ইশার মধ্বা
ক্ষেত্র বংগ, কেননা পুরিউর ক্ষেত্রর পুরে ইশার মধ্বা
ক্ষেত্র বংগ, কেননা পুরিউর ক্ষেত্রর পুরে ইশার ক্ষেত্র নিয়ম করিয়াছিলেন, ও ভাষাদিবত
ক্ষেত্র বাবহা দিরাছিলেন, সেই সকল আদিভাবে লেনা
আক্রে, আর পুরিভারণ যে নিয়ম ও তাবহা হালিভাবে
ক্ষান্ত, ভাষা আন্তর্গার ক্ষেত্র ক্ষান্ত্র

अपरम स्रोति छोरते व वर्ग किंदू विनि । स्रोति छोते छोने अपर कि किंद्र है। अहे गर्कण पूर्व वर्क प्रमूची हो के विकास समार स्थान किंद्र अपने १५ जेने स्थान स्रोटिह के

THE PARTY STATE OF THE PARTY OF रक्ट राजानकि रकर गाना, रक्ट क्रांबान, रक्ट व क्षित्र । देशस्याक हिना हारायक बर्गा रहरे 100 1000 1000, 1000 2000, 100 boo, 1000 हेंबक्त तथनक जन्म शुर्व विक्रीस्ति; विस् स्वाराज बर्मेश्व भविषे भारत भारेशिधन, उपनुष्क अशात ? बुद्धि मैक्टलंब लेवज्ञत मालू व राज चारल । खर शुद्ध छन धुन्तिक वर्षा र हिन्दान - जन्तिन अवन कविनासका ब्रेड शुद्र मकलाई नाम अथम निश्वि। 😲 🧦 श्रीवमको देखिकान गुन्। ३१ व्यक्तिशृहकः है। याकाशृहक 🏂। দোৱীয়পুদ্ধক; ৪। গণনাপুদ্ধক; ৫। ছিভীয় বিষয়ন: এই পাঁচ গুড় মৃদা লিখিরাছে, আর ভাহাতে জগতেন न्दि, ७ क्रमञ्जाबन ७ हेत्राहोस्मत्र बूढात, ७ हेनुस्त्रकः ल्लाक्ट्रक विज्ञद्वारणनेवन ए निर्देशिय निर्दायन अभिनानिश नावस्। लिथा व्यस्क्रितः

े। विरहान्द्यत श्रुष्ट । भूनात क्षित्रक विरहान्त्र हेन्। श्रुक्त हो क्षित्रक कि श्रुकारत किलानस्था करेवा शिक्ष श्रुक्त स्था क्षित्रात कर्ताहेशान्त्रिक, खाद्यक्ष व्यक्ति श्रुक्त देवका खाइका

নি বিচায়কত্বিরয়ক। বিহেনশ্র ছরিদে শর ৪০০ ক্রিয়র পর্যান্ত ইপারেললোকের। কি প্রকার মুক্ত করিয়া ক্রিয়া ও কে ২ কাহাদের, অধাক্ষ ছিল, ক্রান্ত এই গ্রাহ

का अके अवे क्ष्म शुरुष व्यावन मामल नावूक काला ह

প্রশিক্ষানহাত কর্মনা ভাষার প্রশিক্ষানহার সূত্রীয় ক্ষো আছে।

ा व्यावश्यकः। निमृदश्यकः पृष्टे श्रेष्ट्राः निमृदश्यक वृति-स्राध्यकः असे पृष्टे शुद्धत्व भीत हात्रा ७ मार्गम् ताकाः विद्यातिक विवद्धव विश्वितास्त्रः।

3> आह अर। ब्राजानिक पूरे ग्रेष्ट्र। ठाराल मौतू-त्रव श्रुक्त मुद्दनमान ७ छारात वर्णकार विश्वभागभान-नामी ब्राज्य सक्त ७ छारात्तव व्राज्य, अव ९ त्यामित्वां भ नियामी मण श्राणीत व्राज्य मक्त ७ छारात्तव व्राज्य, अव भ मेरे व्राज्यात लाग विषयक विवद्य भाउपा

১৩ আর ১৪ দক্শনবিলির দুই গ্রন্থ। তাহাতে আদম অকথি দায়ুদ্রাজ্য প্রান্ত, দায়ুদ্রাজার এবং অন্যান্ত প্রধান ইদ্যুরেললোকদের বংশাবলি, এবং দায়ুদ্রাজা অবধি রিহুদা ও ইসায়েল রাজ্যের লোগ পর্যান্তর সংক্ষেপ বিবরণ পাওয়াযায়।

বিভার ১৬। ইয়া এবং নিছিমিব। বির্ণী লোকের।
কি প্রকারে বাবিশনেশ ছইতে ফিরিয়া কিনানদেশে
আনিয়া বিরশালমন্ত্র ও তথাকার মন্ত্রিপ্রনিশী
মান করিয়াছিল, তাহার বিবরণ এই দুই গুড়ে
পাত্রা বার।

২৭। ইটের। ইটের নামুী যিহুদী বপ্শীয় এক ক্র্যু কি প্রকারে নাবিল রাজার পত্নী হইল, ও ভাইাই শত্নী হইয়া কি প্রকারে বিহুদীলোকদিগকে আপর্ব পুৰুত্বৰ ক্ষান্ত কৰিব কৰা কৰিব কৰিব পুৰে জুৰিত আছে।

विकोशक कैशाहर शृहा जिला का सूर का सूर का सर कहि शहरात अक सम कि शकात कुछ ने सिन के मूख इहेन, अर्थ माशन विश्व केन हकूत कहिए कि शकार हर्षा शहरात कि सुराश अहे शुरु स्वयं चारक दिन हैं इह सून अशहर कि थिए। इह शुरु स्वयं चारक दिन के

্রিষয়ক ১৫০ গাঁড আচে ; এই গ্রীত সকলের অধিকাশ দায়ুদ রাজার বৃত্তিত।

্ ২০। হিভোপদেশ। এই গুণ্ডে দূলেমান রাজার লিখিত রানা-প্রকার নিভি ও ধর্মের শিক্ষা পাঙ্ওয়া যায়। ু ২১। উপদেশক। এই পুস্তকে দূলেমান রাজা এশ দুগ্রীয়াত্তে।

- ূ ২২।পরস্থীত।ধূবক ধূবভির পরস্কর বে প্রণয় তাহ। ক্টান্তব্ল করিয়া পর্মেখর আপন ভজাংলাক্ষরের ক্তিত কি সম্ভাগোধন, ভাষা সুলেমান রাজা এই গ্রিভতে কবিতা ছারা রচনা করিয়াছে।

ूर्वीरुष्टः खित्राध्याका। २०। विलेशिय। स्मार्त हाक ब्रूणेशांच अन जन खित्राध्यका छिनः, सि अर्थे शुरुद्दः बिह्हो स्नाक खात खन्मकारिकाकस्त्र भाभ श्रकाण कृतियाः सकत्तक वेषत् ॥ अर्थात श्रुष्टि प्रन खित्राहेट्ट विनत करियाह्यः, अन्यानेष्टक्र स्नाकस्तत क्रिक्षे ক্ষিত্ৰার কলে খুটিইই আগমন ও ওঁহার হাকার্ছি বিষয়ক নামা ভবিষাৎবাকা বলিরাছে।

१८। यितिभित्र। अथ अक जन छित्राध्यका, स्राह्में के श्रृंश्वरक्त विद्नीत्म थ विद्रमानमंत्रात थ्रुश विद्नीत्म थ विद्रमानमंत्रात थ्रुश विद्नीत्म स्थान, अवध थिद्नीत्माकत्मत्र वार्विन स्थान, अवध थिद्नीत्माकत्मत्र वार्विन स्थान अधि श्रुश विद्ना श्रुश छित्र विद्ना श्रुश छित्र विद्ना श्रुश छित्र विद्ना श्रुश छित्र व्याप्त स्था विद्ना स्थान विद्ना स्थान व्याप्त स्था विद्ना स्थान विद्ना स्थान व्याप्त स्था विद्ना स्थान स्थ

২৫। বিলাপ। এই পুস্তকে বিরিমিয় হিকশালয়ে।

২৬। বিক্সেল। দে বিরশালননগরের নাশ ও পুন-নির্মাণ এবপ শালুদের উচ্ছিল হওন ও পুরিটার রাজ্য বিষয়ক ভবিষাৎবাকা লিথিয়াছে।

২৭। দানিয়েল নামক এক রাজবংশকাত বিহুদীপোঁই ক প্রকারে বাবিলদেশে নীত আর সেইথানে রাজাই লাছে বড় সমুন প্রাপ্ত দ্বল, ভাষার বিবরণ এই গ্রুছে শেশা আছে।

উক্ত চারি কর ভবিষাৎবক্তাকে বড় ভবিষাৎবক্তা বলা যায়, কেননা কাহাদের গ্রন্থ বিস্তারিক, লাচাক লিপিড ১২ সানকৈ ক্ষু ভবিষাৎপক্তা বলো, বেহেতু তাহা-দের গ্রন্থ ক্ষুণ

रेष्ट्र (क्राप्ति ; २० स्वास्त्रम ; ०० व्याप्ति ; ०५ व्याप्ति ; ०४ व्याप्ति ; ०४ व्याप्ति ; ०४ व्याप्ति ; ०५ व्याप्ति ; ०० व्या

# ্ ৩ ধর্মপুস্তকের অন্তভাগ।

্র ই অন্তেলার বার খ্রাফের লাভ জন শিব্য কর্তৃক র নি ইইরাছে, আর ভাহা ২৭ প্রছে বিভক্ত। অর্থাৎ ৫ ই হিলের পুরুক, ও ২২ থান পরে, ও একথান ভবিস্থাই নিবিবরক প্রস্থা, দেই গ্রুছ সকলের নাম জানে বলি প্রথমভার ইতিহাল পুরু। ১। মধি; সে বীর্থ্যানী এক জন প্রেরিত; এই পুরুকে সে খ্রাফের চরিত্র দর্শন করিয়াছে।

্রি মার্ক খ্রীটের শিষ্য ও পিতরের সন্ধা ছিল, ক পুরেতে সেও আপন গুরুর জীবন বৃত্তান্ত লিখিয়েছে। ৩। পূর্ব খ্রীটের শিষ্য ও পৌলের সন্ধা ছিল, শে ও এই পুরুষ্কে খ্রীটের বৃত্তান্ত গোড়া অবধি গৈ ক্রীন্ত লিখিয়াছো।

8] द्यांदन श्रीरक्षेत्र शिव भित्रों से कारात श्रितिक, त्र रेक्षिण नंशदर धाकिया वृज्यवेश्वाटक खाशन श्रेष्ट्र कर्या खेश्यानरणेत्र विवद्य वह शुरुष्टक शिविद्यारक। खेशन क्रिकिक्शित शुरुष्ट्र नाम सम्मन्याकार।

ं के बेसे विकास किया, क्योंका प्रमास्य मूर्वास्य की इंद्रीस्टर्ड थीरकेन वालक केन श्रिनिक, विस्मयक धर्मा अधिक रणीरनेत्र भूम ६ बोजा ७ मृश्यरकारतेत वृक्ती । विद्यानिक करण निथियारक।

ষিতীয়তঃ পতা। ৬। রোমীয়দের প্রকি পতা; ৭ করিভারদের প্রতি প্রথম পতা; ৮ করিছীয়দের প্রতি বিভীয়
পতা; ১ গলাতীয়দের প্রতি পতা; ১০ ইফিঘীয়দের প্রতি
পতা; ১১ কিলিপীয়দের প্রতি পতা; ১২ কলসীয়দের
প্রতি পতা; ১০ থিবলনীকীয়দের প্রতি প্রথম পতা; ১৪
থিয়লনীকীয়দের প্রতি দিতীয় পতা; ১৫ তীমথির প্রতি
প্রথম পতা; ১৬ তীমথির প্রতি দিতীয় পতা; ১৭ ভীড;
১৮ ফিলীয়োন; ১৯ ইব্রীয়দের প্রতি পতা;

এই ১৩ পত্ত পৌল প্রেরিত ঘার। লিখিত ছইরাছে, এবং তাহাতে ধর্ম ও নীতি বিবয়ক নানা উপদেশী শাওয়া ধার।

ইহার পরে ২০ নাকুবের পরে; ২১ পিডরের প্রথম পরে; ২২ পিডরের বিভান পরে; ২৩ নোহনের প্রথম ; ২৪ যোহনের বিভান পরে; ২৬ নিহ্নার পরে, এই নাভ পরে লেখা আছে। নারুন পিভর, যোহন, বিহুল। ইহারা সকলে যান্ত্রীয়েনির পেরিত ছিল, ও ডাহারা ঐ সকল পরেন্ত নানা প্রকার ধর্ম উপরেশ্য

্তৃতীয়ত। ভবিষাধাত। ২৭। যোহনের প্রকাশিক ভবিষাধাত। ইহার পরে খ্রীক্রিরান লোকদের কি কুল্র হারে, ও শেবে খ্রীক্র কি প্রকারে আপন শতু সকলকে জয় করিবেন, ভাইনর বর্ণনা যোহক এই পুস্তকে করিবাজে।

रव खिल कामध्यको (कामका खान अवस्थित महितः) मक्त्र इहेंग, एथम बात १ ठाइ मिनिया (स विभूष्ट बार्ड धमा देकान केम् ब्लिट्ड नाहे, रम्बन साहे विभूष्ट बार्ड धमा देखान केम् ब्लिट्ड नाहे, रम्बन साहे विभूष्ट बार्ड धमा देखान काम काम साहे स्वाप्ट मिनिट्ड के कार शिक्ट हता। बहान काम रमित्र हता। काम राह्य स्वाप्ट काम स्व

### ं अ मानाबद्धना

धाना अनुमि यन, तम्हे बदन शांकि, महिष शंकान, वाह् रेक्सकिः विभिन्न कहा थारक। (य नमग्र करिकिशकाङ्ग ন্যেক্তবেই দেশের প্রতি মনোযোগ করিয়াছে, যে ব্যুর অৰ্থি ভাহাৰ ক্ৰে ২ উন্তি হইতেছে। আনাম দেশ বাঞ্ ভেলাতে বিভক্ত হয়। ১ গোয়ালপাড়া, ২ **ভামৰ্গ**, এ মূর্ণ, ৪ নোরণ, ৫ সিবপুর, ৬ লক্ষ্যপুর, ৭ সাট্যাট্ অাসাম্যেশীয় লোক হিন্মুপর্ম মানে, এবা বছভাষার্ ধহিত তাহাদের ভাষার আনেক সম্বন্ধ আছে। সেই দেশে নারিকেল ও ভালগাছ জন্মে না, কিন্তু অনেক ধান, ডামারু, ৰূপারি, ইক্সু হয়, এবন সেধানে এত গৃটি পোকা **জন্মে**; া দেশের বারো আনা লোক রেসমের কাপড় পরিয়া থাকে, এই কাপড় ভাঁডীতে বুনে না, গৃহস্কুলোকেরা বুনে, রাণী কি অভিইতর জ্রীলোক সকলে বুনিছে ারে: অল্ল বৎসর হইল, ইৎরাজ লোক সেই দেখে : গ গাছের চাব করিতে আরম্ভ করিয়াছে: চা গাছ সু কিয়া ডিন হাত উচ্ছ হয়, জার তাহার পাভা**অ**তি ছেটে, এই পাতা গ্রীয় কালে ভালিয়া রৌদেতে ভকান্ াত ,হ্য, পরে মন্দ ২ আপ্তনের উপরে ভাহা ডণ্ড করিয়া , ংক্তিক স্বভাইতে হয়, পরে এই খন্ত স্বভিত প্রভ: নিস্কু 🚉 ा छित्रस केलम झरश वक्ष कृतिहा विकस्कृतिवाद करना 🕽 ापाञ्चरक अक्षेत्रक साम । हा चाकि श्रधान वानिकात पुत्रा, ক্ষেনা ইউকোপীয় এবং অব্যান্য দেশের লোক নক্ষ - वर्षे श्रक्ति विव का आहेश थाएक। का आहेबाद अहे निरम् সাধ্য প্ৰাতা সইয়া কিছুখন ভগুৰলে বিজাইয়া রাঞ্জি

क्षेत्र भटकः रमरे जम विनि कांद्र मुख निशे थार्ड्ड एद कामामरमरमंत्र अन्योद्धां नमोरक किंदू रमानाः भा दशा चीव - কারে সুদীয়া জেলার এক পর্যতে বারণের আকর **আ**ছে: रंगरे नवने अरे (मर्ग्यू नवन चर्नाका नामा ଓ निर्मन कार्नामरमरमंक ठावि मिला ए शब्द बाल्ह, जाहारक আনক আৰ্ভ্য কৈকি কাৰ কৰে, ভাছাদের মধ্যে রাখ: कांहरी, हवांद्रा, ८४किंद्र, मिति, श्रामाण, बार्म, बरे क्रेंबर फ्रांडि थुनिक। अरे शर्बरोग लाक मरुन कि গ্রামে কি নগরে কাদ করে না, ভাহাদের এক ২ পরি মা পুথক ২ ক্টরা নিবিড় জঙ্গের মধ্যের বাছে, জান ভাছাদের ধর নলনিমিতিও টকের মত খুঁটির উপ 🔨 স্থালিত, ভাছারা ভুলাও মরিচ চাল করিয়াত ুৰৰা প্ৰয়োৱিলা দ্বপাত কৰে; এবং তাহাদের থান: ু**ধাৰো**ৰ বিচাৰ দাই, কেলনা ভাহাৰা কুকুৰ বিডাল ইছুর পর্যান্ত থায় : তাহাদের ধর্ম ও ভাষা মতন্ত্র 🚶

ু ৩৯ বাৰুদুঃ

मूर्वकारण वाहम शहक कहरमह विका श्रकाम किन ना। (गृष्टे समरत समुद्धाना शृष्ट ७ वर्ग ७ धमुर्वाम वार युक्त कतिले, क्यित्रशासन क्यांचि वाहरमा मृष्टिक्डेगार्ड रण नेमन व्यवि शहर रक्यम स्प्रांत ७ वर्ग्ड कार वृक्त कहा। व्यवि श्रक्त रक्षांचि व्यवि व्यविष्य, (१०)

हरी इंब मी, टेक्नबी खर्सि पूर्वल ठाकि तन्त्र बाहा शक्ति ज्यान जीवत्क अवश्वारम भावित्व शाद्धः आहे शुर्कारं व প্রাচীর বেটিত নগরে থাকিয়া লোকেরা শত্তে বড় ভর कदिं ज ना, ब्यान व्याप नगरत्त्र मध्या द का नाहे (क রবা কামানের গোলাভে অভি শক্ত প্রাচীর ভর্ম হয় ও ्वाला श्राहोदेवे छेलेब विया मन्द्रिय मस्या (केला याम्। খায় ৫০০ বৰ্ষর হইল ৰাক্ষেক কৃষ্টি হয় ভাহার বিবরণ এই। সোর। ও গাঁছক ও কয়লা মিশাললৈ বাক্স ময়, অর্থাৎ ১০০ সের নাতৃদ করিছে গোলে ৭৫ মের সার্য্প ১৫ সের কর্মা, ১০ সের গন্ধক চাজি। প্রথমে এই ডিন দুবানে পূথকা ২ অভি সূক্ষ্ম করিছে: পিবিজে ব্য. পরে স্তাহ্য একর করিয়া কিন্তু লগ হিয়া এক কলেতে চালিয়া দেয়। সেই কলের নাম সাকুদ্রীত। গ্রী **বাঁডা প্রায়** কল্র **যানির ডুলা, আ**র **ভা**ছা লন্য কোন কল কিছা যোড়া ছারা চালিত হয়। এই যাড়াভে भरक्तारत २० कि २६ :मरतत अधिक त्वर वः, भारक यासम नातिरम অधिक विशम इया शाह १ कि ৮ <sup>মন্ত্র</sup> প্রাপ্ত যান্তা ভাষার উপর দিয়া চালাইলে ক্রমে 🔾 वंक श्रकांक कारणा काम जल्या। ठाहार शर वंडे कामा শ্লির। অন্য এক ছবে লইয়া যাউতে হয়। সেই-লানে এক পাত্ৰ আছে সেই পাত্ৰেতে অনেক ছোটং ्रें मां चार्ट्यः जे कामा वहे नारव्यटक वाशिया छाहात उंगरत अक्षे। काहे अक दृश्य हाशिया धविरमा काश (क्षेत्रे) बोद्रक्तं प्रक क्षेत्रा वे एकेंना निवा नीटा शरंका है क्षेत्र

প্রয়ে হাছা আরু বার জুলিয়া অক পিরাকে ছাংঃ, ন্ত্ৰী প্ৰিপাৰ অৰ্থেক ভৱিবে ভাষা বড় একডাকাৰে ্রাভিয়া অভি শীবু মুরাইডে হয়, ছাহাতে ঐ বীচ कुरून अब्रह्म वर्तिष्ठ रहेका जात्म ६ श्वाकास्त्रव रहः हेरा হৈইলে বাজন পিপাছইতে বাহিত্ত করিয়া ওকাইবা अर्गा अना अन रहाते वरत बहेना यथा। अहे हर्। किंग मिर्रा मिर्मू न नाम जानक कका चाक्रि. अहे अका व ्रेडेशरत योङ्ग (प्रमित्रा सिट**ड रङ: आ**हे सरहङ्खानापित्य লোহার এক উরুন আছে; এই উনুনেত্ত্বের বাহিল श्राकिया चाछन (दश, (असन) अहे विमुद्दिक हुन उधुराध बद्धक वाहित्व चाट्छ। अहे श्रुकात काग्रस एक स्टेट বাক্ন প্ৰস্তুত হয়, পরে ভাছা নি**ম্নতে কি ভোট** লিপটকে ভরিড়া রাধে। বারণ জড়ি ভরানত বন্ধ, কেননা এক अधिकना नातिरन मकन यनिया केर्यः, स्राव ठार्यः 🐃 इन्ड्न साप्तकास वरद्र ५० तम् **अधिकदेन स्ति** एमरा স্থাহাতে আভার লাগে, ভবে সেই হর ছারখার 🎨 -चैरि क्टन नहें, शहर यह प्रानुत क्षेत्रक, जुकरजर बुक्के पुत्रः । बहै विभिद्रके चहत्र ब्राइन्क्या वाह्नत्रः हासी भाग नहा वात्र वात्रक्राक हारकक्र (स्थान) व्यक्ति मान्तिक हुत्।

Market September 1

्राष्ट्राह्यः रेपराज्यः कारणा करतः, प्रिन्तः अवस्था छारः। शुरु क्षेत्राः कारायः, हेराक्षः अक्ष्मृक्षास्त्रवाहः स्थानः।

বংসর হইল জেমান দেশে যাকৃত হৌদর নামক অভি ধাৰ্মিক এক ব্যক্তি ছিল : সে কোন সময়ে বাণিকা করি-বার জন্যে দুই বন্ধুর দহিত অন্য দেশে যাত। করিল। अक मिन छाङ्गितिक खात तन मित्रा याहे एड हहेग, शाद मन्त्राकाम इंडेरम खांशांत्री अरे यरनद प्राथा निर्जन म्राप्त अक्षी धत मिथिए शाहेल। ठाहाए ठाहास्त्र ্তৰ কৰ বলিল, হে ভাইরা, এই সূত্রে রাজিবাদ করিলে ভাল হয় না। হৌসর বলিল, আমি ভনিরাছি, अरे दरन कारनक मगु खाएक, कि जानि अहे चत मगुरमत नामञ्चान, किञ्चा अञ्चलात्त्र स्माक्तमत् शहिक ममु। स्मन्न গোগ আছে, এ হরে থাকা ভাল নয়: পরে ভাহার वन् वनिन, धानित्म ७७ इत्र वट्डे, किन्तु (शहन ९ जत्र, কেননা এই বন অতি বিস্থারিত আরু বেলা প্রায় শেল। টোনর বলিল, ভুমি যে কথা বল দে দত), আর উপায় মাই, আইন, ঈশবের ভরুষা করিয়া এই খরে যাই। পরে মাহার। তিন জন এই ছরে গেল। কিন্তু এ হর বড় শপরিষ্কার ভাহাতে মেজ ও আদন দকল ভাঙ্গা, েচাজন ও পানপাত অভি অগ্নাহ্য, এবং দকল বস্তু विष्ण ७ (य. नारकता तारे घरतर७ किन, काशास्त्र ভরানক মুখ ও কর্মবাকা। ইহা দেখিয়া ঐ ভিন हरनत प्रात खात्र मरमह जविन, रक्तना शह पिथिया ্থির স্বভাব জানা যার। কিছু থাইলে পর তাহার। হরের কর্ত্তাকে বলিল, রাজি থাকিবার নিমিত্তে আমা-<sup>ভিন্</sup>কে একটা কুটরী দেও।কর্ত্তা ভাহাদিনকে উপর

ভালাতে লইয়া গিয়া সেথানে ছোট একটা কুট্ৰ (मथाहेंग्र) मिल् । (मेंडे कुठेब्री ७ वर्ष व्यविद्धांत ७ छा: পরদের প্রাকিবার উপযুক্ত ছান, মনুবাদের নয়। কু ब्रोद्र अक (कारनरक एड्रेसाब्र करना किছू थए हिल, अह भाज, शांठे कि विष्टानः कि श्रुप्तील किष्टु है जिन ना। शरत्र কৰ্জ। তাহিত্রে গেলে হৌদর আপন দুই জন সলিং ৰলিল্বুকি আমর: বিপদে টেকিলাম, এই ছরে ৩০ আছে, এই পরের লোক ভাল নয় তাহারা অব-দ্যু ৷ পরে ভাহারা বার বন্ধ করিয়া সূড়কা দিল ৷ আঃ হৌনরের দুই জন নধু অভিশয় ক্লান্ত প্রযুক্ত থড়ে গ্রহ নিমুণ গেল। হৌসর ভাইনার জাগে হঁটে গাড়িয়া সঞ্দ ক্তিমান ইখরের ভঙ্কা করিয়া বলিল, হে প্রমেশঃ এই ভয়ানক স্থানেকে আমাদের বন্ধান ক' कतिरल (कर् रिश्मः कतिर्छ भातिरव ना। भरत र আশেন দৃট বন্ধুর কাছে শুটতে গেল, কিন্তু ভাছার নি र्व मारे । पूरे প्रदाद समाप्त (शोधव खासक लाकाम শব্দ শুনিতে পাইল, ভাহারা নীচের পরে আদিয়া ৮০ থাইতে বসিয়া অভিশয় গোলমাল করিতে লাগিল। ইহাতে হৌলর ব্ফিল, ইহারা পথিক লোক নয়, ইহালা **দমুঃ, তাহার কোন সম্পেহ নাই। ভাহাতে সে উ**িগ আরে বার হাটু পাতিয়া বলিল, হে পরমেশ্র, 🧀 থানে দ্যুর হাতে যদি মারা পড়িতে হয়, ভাছাও তে:-মার ইচ্ছা, আমি মহাপাপী আর বিনট হইবার যেতি বটে, ভুমি আমার প্রতি দয়া কর, আমাকে নরকে ফে

লিও না। এই কথা কহিয়া সে একেসারে নির্ভন, এবং সিংহের ন্যায় সাহদী হইল। পরে দে জাবিল, এই থানে আরো দুই জন আছে, ভাহাদের ও রক্ষা করা উঙিত। ভাহাতে সে ভাহাদিগকে জাকিয়া বলিল, উচন হে ভাইরা, এথান নিদার সময় নর। এথান জালিতে হয়। কেননা দ্যারা আসিয়াছে।

meet ! Jame

### ৩৮ সেই কথা।

किছু क्रव পরে ভাছারা ছনিতে পাইল, দ্যা সকল मिष् प्रिया छेशद्र जानिएए एक, जांद्र शद्राव कर्ना नाहित्य থাকিয়া ছার খলিতে চেষ্টা করিছেছে, কিন্ধু পারে না, কেনন। ভাহা হড়কা দিয়া বন্ধ ছিল। পরে দে অভি कदानक अरल शानि ଓ नाम विशा एँठाईश विनन, अ .त. दिणाता, चांत्र श्रुणिया (म. ! ८०)कत **स्त्र** क्**रे**ग डेखत দিল, রাত্রি প্রভাত হয় নাই, প্রভাত না ত্ঠালে আমরা থলিব ন:। ইহা খনিয়া কর্ত্তা ও জাহার দলিরা বলেঙে ৰার খুলিতে নানা চেটা করিল, কিন্তু ঐ তিন জন ইখরের কাভে বল পাইয়া ডিডরে পাকিয়া ভার এমন শব্দ রূপে ঠাদিয়া ধরিল, ধে দ্যারা কিছু করিঙে পা-রিব না। ভাছাতে ছরের কর্তা উন্তের ন্যার রাগা-নিত হইয়া টেঁচাইয়া বৃলিল, কুড়ালি শইয়া আই**স**, ঘার ভাঞ্জিয়া ফেলি, ঐ তিন জনকে শিক্ষাই। এক জন র্ডালি আনিতে গেল; ভাহাতে হৌদর ও তাহার দুই

जन 'मनी क्षतिन, अथन चात्र छेशांत्र नाहे, चामारमद মৃত্যু উপস্থিত। হৌসর আর বার ঈশবকে বারণ করিয়া बिनन, (इ প্রভোরকা করু, কিন্তু আমাদের ইচ্ছা মন্ত ৰা হউক, তোমার ইচ্ছামত হউক। পরে যে বাজি कुषानि আনিতে গিরাছিল, দে কুড়ালি नইয়া উপরে আসিতেছিল, ও ঘরের কতা তাহাকে বলিতেছিল ভাল্থ শীখু লইয়া আইফ; এমন সময়ে ৰাহিরে বনের মধ্যে হোড়ার শব্দ ও তুরীর ধানি ধনা গেল। ইহা প্রনিবা মাজ সকল দৃদ্য ভয় পাইয়া শীলু নামিয়া অন্য ষার দিরা খরুহুইতে পলাইল। পরে ছোড়াতে চড়িয়া অব্রধারী কএক জন রাজার চাকর আসিয়া লৈছিল। ভাহারা কোন বিশেষ কার্য্য পুষ্ঠ রাজিতে যাত্রং कबिका थे उत्पद्ध प्राप्ता शथ हाताहैकाहिल। तालि প্রভাত হইলে अ छिन जन बेश्रादाद सुब करिया अहै ভরানক হর ছাড়িকা অতি শীষ্ চলিয়া গেল।

\*\*

### ৩৯ वानक माजन।

ক্লাভিক নামক এক জন ধর্ম উপদেশক বালক শিক্ষা ও শাসন বিষয়ে অভি নিপুণ ছিল। কোন সময়ে আক লাহেব আপন পুদ্রকে ভাহার কাছে আনিয়া বলিল, আপনি অনুগুহ করিয়া ইহার শিক্ষা ও শাসন করুন, এ পুত্রতী আমাকে অধিক মুখ্য দেয়, কেনবা সে অভি দুষ্ট, সে যত উপদেশ ও শান্তি পাইয়াছে সকল নির্মক হট্টবাছে: আমি ভাহার জন্যে অনেক চেষ্টা করিয়াছি, ভাহাকে ধনকাইয়ান্তি, ভাহাকে মারিয়াভি, ভাহাকে উপবাদ করাইয়াছি ও অন্য লোকদের দক্ষাভে লক্ষা দিয়াছি, কিন্তু দকল নিয়ুল হইন, ভাছার কুডাসহার শারিল না, দে অপমান ও মারি ও কুধা ও পজ্ঞার ভয় করে না। উপদেশক জিজাসিল, আপনকার পুজের শাসন করিবার নিমিত্তে পূধা ও চারি ও উপযাস ও অপমান এ সকল ছাড়া আপনি অনা কোন উপায় কি करतन नः। रम विषय, दी कहिया कि अक वाज मुद्दी मिना দুই রাজি অস্কলারময় হরে সন্ধ করিয়া রাখিয়াছিলাম। উপদেশক জিজ্ঞাদিল, আপনি অনা কোন উপায় করেন मारे। मारह्य कनिन, भें अक्रशांत मोक्कारण कार्यक ছরের বাহিরে দু**ই খ**ট। প্রান্ত নরিয়ারা**শিয়** ছিলাঘু আমি মান কবিয়াছিলাম, শাংক্ত ভয় পাইয়া নমু হটাবে কিন্তু কিছু হটলা না, পারে এই সকল শক্ত উপায় নিমুল দেখিয়া আমি ভাবিলাম, কিন্ধানি তাহার প্রতি কোমল ব্যবহার করিলে দারিবে, পরে আমি ভাহাকে দুশিকিত নভা বালকদের সঙ্গে রাখিলাম, কিন্তু ডাহা-দের মধ্যে আমার দৃষ্ট পুত্র এক কণ মার ধাকিয়া পরে যোগ পাইয়া বাহিছে দৌড়িয়া গিয়া অসম নালক-(मब्र माञ्च (प्रम कविया। अहे मक्स धनिहा छेशास्त्रक विनिन, अरे উপाय मकत छेशवूक मथ्। आधि आहे अक **छे**लाव जानि। माह्य यालेल, (म कि। উल्लिस यालेल, আপনি অমুগ্রহ করিয়া আমাকে বল্ল, আপনি কি কথন আপন পুল্রের জন্যে ঈশরের কাছে প্রার্থনা করিয়াছেন। নাহেব বলিল, চিখ্যা কেন বলিব, তাহা আমি কথন করি নাই। তাহাতে উপদেশক বলিল, তবে যে দকল নিমূল হইবে, ইহার আশ্চর্য্য কি, আপনি এই বালককে এক বংশর আমার ঘরে রাখুন, আমি টেকী করিব, ইশ্বর অনুগুহু করিলে অসাধ্যও দাধ্য হয়, এবং যাহারা তাহার কাছে যাক্রা করে, তাহাদের কথা ভিনি গুনেন, এ কথা নিশ্চয়। পরে দেই নাহেব আপন পুশ্রকে এ উপদেশকের ঘরে রাখিয়া গেল। আর দেই পুশ্র ইশ্বের অনুগুহেছে ক্রমেহ আপন কুব্যবহার ছাজিয়া ভাল মানুষ হইয়া উলি।

#### **もりひひゃ**

### ८॰ প্রহেলিকা।

বিধাতার সূজন থর নাবিক দুয়ার। যোগি পুরুষ ভাছে বৈসে দিরাহার॥ যথন পুরুষ দেউ হয় বলবান। বিধাতার থর ভাঙ্গি করে থান ২॥

পেশীকোষঃ

মন্ত্রেক ধরিয়া আনে হয়্যা য়ভুবান।
আপরাধ বিনে ভার করে অপমান॥
অপমানে গু০ ভার দূর নাহি বায়।
অবশেষে করি দের সম্বল উপায়॥

ï

- বেগে ধার রখ থান না চলে এক পা।
   না চলে সার্থি তার পদারিয়া গা য়
   হিঁয়ালি প্রবন্ধে পণ্ডিত দেহ মতি।
   অন্তরীক রথ ধায় ভূতলে সার্থি।
   কুলালোপকরণ
- ও দেখিতে পুরুষ এক, মুখ দুই কার।
  এক মুখে উগার্বে আরে মুখে খায়।
  মারিলে জীবন পার ত্তাশ পর্শে।
  ব্য ২ পণ্ডিক সভা মধে। বৈদে॥
  সন্দল গর্মনী
- - আছহীন মাজাকীণ যুগল দশন ।
    দুই দিগে লঘ্ডক দস্তের মিলন ।
    পানিযুক্ত হইয়া যদে দেকায় কাননে।
    তক্ত দনে জীব ক্তন্ত পরাং আনে॥
    ধরিয়া আনিয়া দেই দেকী সমুগণে।
    ভক্তণ না করে ভারা বধ্যে পরাংশ।
    কহে কবি মাধব হিঁয়ালিকাবেছ।
    কুমুঠোঁ কি বুবিবে পণ্ডিতে লাগে ধন্ত।

🕆 "प्रेरमा प्रकेष बर्द मध्य ६ दूरमा 🔭 কুষ্টার কছেপ নহৈ দেখিলে নে গিলে 🖁 👚 तिलिया खेतारंत्र (यस (मर्स कशकान। চিয়ালি প্রয়ে পণ্ডিত দেহ মন।

म क्

जिवादि राम म तिरंग जान डारकः অৰ্থেড নাহিক ছাল বিধির বিপাকে॥ ख्यमः) ध्वानरत् नत् प्रकृत विश्वारमः। হিঁয়ালি প্রস্ত্র পণ্ডিত তাব মনে।

করতলে জন্ম ভার বার্পথে ধার। আপনি আহার করে পরে লয়া খায়॥ আহার করিতে গেলে হয়তে: মরণ ৷ সক্ষ গুপিডিড ছে লেই কোন জন 🛊

্ব১০ 🖟 তে, চারি মধ্যে দুই সাঁজেক্টন পাছ চলে। <sup>1</sup>न ७ (१ छाँहै (६न जह काटक वरन । প্তিতে বৃক্তিতে পারে দুইচারিদিবলে। মুৰ্যেত বুকিতে নারে বৎসর চলিশে॥

क्षां । क्षां कित्रदर्गाम् स्था